RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"
पटना, वर्षः 7 , अंकः 186 , बुधवार, 19 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

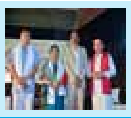
सहयोग शिविर में 59 पंचायतों में सुनी गईं लोगों की समस्याएं, त्वरित समाधान के निर्देश 03

बीरगंज में सजी सुरों की महफिल, राजेश पांडेय के गीतों पर झूमे संगीत प्रेमी 04
'इश्क में मरजावां' फेम अलिषा पंवर बनीं धोखाणड़ी का शिकार चीफ... 07

संक्षिप्त समाचार

अमित मालवीय जहां चूके बीजेपी का वहीं फोकस!

● आईटी सेल के नए प्रमुख दीपक महस्के का बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमित मालवीय की जगह बीजेपी आईटी सेल की नई जिम्मेदारी संभालने वाले दीपक महस्के ने कहा है कि उनकी प्राथमिकता जेन जी है। नई पीढ़ी में पार्टी की पैठ बढ़ाने के लिए वह इंस्टाग्राम पर फोकस कर रहे हैं। दीपक महस्के ने इंस्टाग्राम और जेन जी में पैठ बनाने को कोशिशों को प्राथमिकता बताया है। कहा कि पार्टी डिजिटल मौजूदगी को मजबूत करने और युवा वोटरों से जुड़ने की कोशिश कर रही है।

पार्टी का मुख्य फोकस इंस्टाग्राम

नई जिम्मेदारी संभालने के बाद म्हास्के ने एक चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि पार्टी का मुख्य फोकस इंस्टाग्राम पर होगा। सरकारी नीतियों के बारे में जानकारी शॉर्ट-फॉर्म वीडियो और रील्स के जरिए दी जाएगी। उन्होंने कहा, इंस्टाग्राम हमारी प्राथमिकता होगी। अधिकांश युवा इंस्टाग्राम पर होते हैं, इसलिए हम रील्स के जरिए सरकारी नीतियों के बारे में जानकारी फैलाने पर ध्यान देंगे। हम इंस्टाग्राम पर युवाओं को टारगेट करने वाले खास कंटेंट पर काम करेंगे। दीपक महस्के को बीजेपी आईटी सेल की जिम्मेदारी ऐसे समय मिली है, पार्टी सोशल मीडिया के मोर्चे पर जेन जी से मिलने वाली चुनौतियों से जूझ रही है।

योगी का ऐलान, पीआरडी जवानों का भत्ता 600 करेंगे

● गोरखपुर में कैशलैस योजना शुरू की,5 लाख तक इलाज फ्री होगा

गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी ने मंगलवार को गोरखपुर में पीआरडी (प्रांतीय रक्षक दल) जवानों के लिए 'मुख्यमंत्री पीआरडी परिवार कल्याण योजना' का शुभारंभ किया। इसमें पीआरडी जवान के परिवार का 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज होगा। योगी ने ऐलान किया कि जल्द ही पीआरडी जवानों का भत्ता रोजाना

600 किया जाएगा। इसकी तैयारी की जा चुकी है। अभी पीआरडी जवानों को 500 रुपए मिलते हैं। प्रदेश में 31 पीआरडी जवान रजिस्टर्ड हैं। इसमें 2 हजार से ज्यादा महिलाएं हैं। सीएम ने पीआरडी जवानों के वर्दी भत्ते के 3000 रुपए उनके खातों में ट्रांसफर किए। इससे पहले लखनऊ में बनने वाले पीआरडी भवन का शिलान्यास किया। 1948 में गठित प्रांतीय रक्षक दल के जवान (स्वयंसेवक) पुलिस के काम में मदद करते हैं। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कहा-पीआरडी जवानों को सुविधा मिली है तो उन्हें और बेहतर ढंग से काम करना होगा।

छात्रों का भविष्य दांव पर, प्रदर्शन उनका अधिकार

● जंतर-मंतर पर पुलिस के ऐक्शन को लेकर एससी बनाएगा कमेटी ● समिति में रिटायर्ड जज, पूर्व डीजीपी और सीबीआई डायरेक्टर होंगे ● 20 जुलाई संसद मार्च हिंसा और महिला शिकायतों की जांच होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली में छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की ज्यादतियों के आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाएगा, जिसमें रिटायर्ड जज, पूर्व डीजीपी, पूर्व सीबीआई डायरेक्टर और अन्य लोग शामिल होंगे। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा कि पैनल में शामिल किए जाने वाले अन्य सदस्यों के बारे में अलग-अलग पक्षों से सुझाव मिलने के बाद बुधवार को कमेटी बनाने का आदेश जारी किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह दिल्ली में 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के वीडियो फुटेज और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को जांच के लिए हाई-पावर कमेटी को सौंपने का निर्देश देगा। यह पैनल उन महिला प्रदर्शनकारियों की शिकायतों और आरोपों की भी जांच करेगा जिन्हें दिल्ली और अन्य इलाकों में विरोध मार्च के दौरान निशाना बनाए जाने की खबर थी।

सुप्रीम आदेश, हाईलेवल कमेटी करेगी जांच

सुप्रीम कोर्ट ने सीजेपी के नेतृत्व वाले छात्र प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए हाईलेवल कमेटी बनाने का फैसला किया है। इसमें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज, पूर्व डीजीपी, पूर्व सीबीआई प्रमुख समेत अन्य सदस्य होंगे। कोर्ट बुधवार को कमेटी के गठन का औपचारिक आदेश जारी करेगा। इससे पहले याचिकाकर्ताओं और अन्य पक्षों से सदस्यों के नाम पर सुझाव लिए जाएंगे।

अदालत ने मांगा एफआईआर का विवरण

बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से उन एफआईआर का विवरण मांगा जिनमें छात्र प्रदर्शनकारियों को आरोपी बनाया गया है और जिन्हें रद किया जाना है। इससे संकेत मिलता है कि कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है। बेंच ने एक वकील से कहा, छात्रों की जिंदगी दांव पर है। हमें इस पर विचार करना होगा। उनका भविष्य अभी बाकी है। उन्हें अनुच्छेद 19 के तहत विरोध करने का अधिकार है। यह वकील छात्र प्रदर्शनकारियों के बिना माफी मांगे उनके खिलाफ मामले रद करने का विरोध कर रहा था। मेहता ने कहा कि पुलिस ने 2,800 से ज्यादा असामाजिक तत्वों की पहचान की है, जो पहले गंभीर अपराधों में शामिल रहे हैं और 20 जुलाई के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार थे। 3 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि छात्र प्रदर्शनकारियों को रिहा करने के अपने आदेश में आपराधिक इतिहास शब्द का इस्तेमाल केवल उन लोगों के लिए किया गया था जो गंभीर और जघन्य अपराधों में शामिल थे। कोर्ट ने कहा कि राज्य कानून के अनुसार बाकी छात्रों के खिलाफ एफआईआर बंद कर सकते हैं या वापस ले सकते हैं। यह स्पष्टीकरण केंद्र द्वारा यह कहे जाने के बाद आया कि वह उन छात्रों के खिलाफ एफआईआर को आगे न बढ़ाने को लेकर गंभीर है जिन्होंने नीट परीक्षा पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शनों (जिसमें दिल्ली में 20 जुलाई का संसद मार्च भी शामिल है) में हिस्सा लिया था, बशर्ते उनका कोई आपराधिक इतिहास न हो। सुप्रीम कोर्ट ने पहले कहा था कि सिर्फ विरोध-प्रदर्शन होने की वजह से पुलिस की ज्यादती या लाठीचार्ज को सही नहीं ठहराया जा सकता और इस बात पर जोर दिया था कि शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार पूरी तरह से सुरक्षित है।

हर छात्र के साथ खड़े हैं, बदलकर रहेंगे वसूली तंत्र!

● झारखंड के छात्र मुद्दे पर राहुल गांधी का बड़ा बयान

रांची (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने झारखंड में छात्र आंदोलन के मुद्दे पर बड़ी बात कही। राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड के छात्रों और राज्य सरकार के बीच सहमति बनी, और छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त की, यह खबर सुनकर

बहुत खुशी हुई। राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना और समाधान निकाला। छात्रों ने संयम रखा और अपनी बात मनवाई। उन्होंने कहा कि यही सही तरीका है। छात्र सवाल पूछें, तो जवाब मिलना चाहिए।

वसूली तंत्र को जड़ से बदलकर रहेंगे

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि वो देश के हर छात्र के साथ खड़े हैं। वो इस वसूली तंत्र को जड़ से बदलकर रहेंगे, ताकि हर छात्र को उसकी मेहनत का पूरा फल और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का हक मिले। उन्होंने कहा कि पूरे देश में ये सिस्टम बदलेगा। अब ऐसी व्यवस्था बनेगी जो छात्रों को आगे बढ़ाए, उन्हें पीछे न खींचे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी रिपोर्ट में चंपत-मिश्रा का नाम नहीं

● बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में,एसआईटी ने फाइनल जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए यूपी सरकार की बनाई एसआईटी ने सोमवार रात फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का नाम नहीं है। बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में हैं। यूपी के गृह विभाग ने रिपोर्ट राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास को सौंपी है। इसे राम मंदिर ट्रस्ट की 2 सितंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने ही उत्तर प्रदेश सरकार से चढ़ावा चोरी की एसआईटी जांच का अनुरोध किया था। यूपी सरकार ने 13 जून को लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में 3 सदस्यों की एसआईटी बनाई थी।

23 जून को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी थी, 2 दिन बाद 8 की गिरफ्तारी

चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार की एसआईटी ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई। इसमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 को नामजद किया गया। हालांकि, इसमें चंपत राय, अनिल मिश्रा समेत बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं थे।

बिहार जिताने वाले तावड़े को यूपी का मिला प्रभार

बीजेपी ने दी बड़ी जिम्मेदारी, जगदीश पटेल सह प्रभारी होंगे

सतीश पूनिया को पंजाब,तरुण चुग को गुजरात की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के लिए नए राज्य प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए। बिहार चुनाव जिताने वाले विनोद तावड़े को यूपी का प्रभारी बनाया गया है। जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह-प्रभारी नियुक्त किया है। पंजाब की जिम्मेदारी सतीश पूनिया को दी गई है। गुजरात का जिम्मा तरुण चुग को सौंपा गया है। इन तीनों राज्यों में अगले साल चुनाव हैं। भाजपा अध्यक्ष ने एक दिन पहले अपनी नई टीम का ऐलान किया था। इसमें 65 पदाधिकारियों की घोषणा की थी।

तीनों राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव

2027 में उत्तर प्रदेश और गुजरात में बीजेपी के सामने सत्ता बरकरार रखने, जबकि पंजाब में अपना आधार मजबूत करने की चुनौती होगी। ऐसे में इन तीन राज्यों के लिए नए प्रभारियों की नियुक्ति को बीजेपी की शुरुआती चुनावी तैयारियों और संगठन को मजबूत करने की कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश- 403 विधानसभा सीटों वाले राज्य में अगले साल फरवरी-मार्च में चुनाव होने की संभावना है। यहां फिलहाल बीजेपी की सरकार है और योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को राज्य में झटका लगा था। ऐसे में 2027 का चुनाव बीजेपी के लिए राज्य में सत्ता बरकरार रखने के साथ 2024 के लोकसभा प्रदर्शन के बाद अपनी पकड़ मजबूत करने की बड़ी परीक्षा माना जा रहा है। पंजाब-117 विधानसभा सीटों वाले पंजाब में अगले साल फरवरी में चुनाव होने हैं।

सुप्रीम कोर्ट में फांसी सिस्टम खत्म करने की याचिका खारिज

मौत के लिए जहरीले इंजेक्शन या गोली मारने जैसे तरीकों की मांग की गई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा देने के लिए फांसी की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई आधार नहीं है, जिसके कारण फांसी को असंवैधानिक घोषित किया जाए। याचिका में फांसी को क्रूर, अमानवीय और दर्दनाम बताया गया था। इसकी जगह जहरीले इंजेक्शन, गोली मारने जैसे चार वैकल्पिक तरीकों से मौत की सजा देने की मांग की गई थी।

अमेरिका में भी हो भारत जैसा चुनावी सिस्टम

ट्रम्प बोले,की भारतीय चुनावी सिस्टम की जमकर तारीफ

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को भारत की चुनाव व्यवस्था की जमकर तारीफ की और कहाकि ऐसी व्यवस्था अमरीका में भी होनी चाहिए। यहां के चुनावों का हवाला देते हुए 'सेव अमेरिका एक्ट' को पास कराने की अपील की है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा- इस महीने की शुरुआत में, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा था कि अमेरिका में वैध फोटो आईडी के बिना चुनाव कैसे हो सकते हैं। ट्रम्प ने आगे कहा- हमें अब सेव अमेरिका एक्ट पास करना होगा। ट्रम्प ने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को और सख्त बनाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि इससे अमेरिकी चुनावों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी। सेव अमेरिका एक्ट अमेरिका में मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े नियमों को और सख्त करने वाला एक विधेयक प्रस्ताव है। इसके तहत वोटर रजिस्ट्रेशन के समय फोटो लगेगा।

एमपी के भिंड में ट्रक से टकराई पिकअप,8 मौत

● 23 घायल,ग्वालियर से यूपी लौट रहे थे; हाईवे पर गायों को बचाने में हुआ हादसा

भिंड (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के भिंड में नेशनल हाईवे-719 पर गोहद इलाके में सोमवार देर रात करीब 1 बजे तेज रफ्तार पिकअप सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इससे 8 लोगों की मौत हो

गई। 23 घायल हैं। इनमें ट्रक ड्राइवर भी शामिल है। घायल नंदलाल बताया कि पिकअप में कुल 29 मजदूर सवार थे। सभी अलग-अलग गांव के थे। ये लोग ग्वालियर से धान की रोपाई का काम पूरा कर घर लौट रहे थे। पहले चार मजदूरों की मौत और 25 के घायल होने की जानकारी आई थी।

गायों को बचाने के दौरान हुआ हादसा

थाना प्रभारी रामनरेश यादव के मुताबिक पिकअप की रफ्तार 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटा होने का अनुमान है। छीमका गांव के पास हाईवे पर कुछ गायें सड़क पर बैठी थीं। अचानक सामने आए मवेशियों को बचाने के प्रयास में ड्राइवर ने पिकअप मोड़ी और सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई।

मैं जब विधायक बना था तब अमित शाह बच्चे थे

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले-वह हमें देशभक्ति न सिखाएं

पणजी (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि जब मैं पहली बार विधायक बना था, तब अमित शाह बच्चे थे और आज हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं। उन्होंने यह बात दक्षिण गोवा में एक जनसभा में कही। वहीं, खड़गे ने कहा, 'बीजेपी धर्म विरोधी हैं, क्योंकि जब मैंने 8 अगस्त को उत्तराखंड में हल्द्वानी के रामलीला मैदान पर सभा की थी तो 2 दिन बाद मंच का शुद्धिकरण किया गया। ऐसा लगा जैसे मुझे अछूत माना गया हो। क्या लोकतंत्र ऐसे चलता है। देश में दलितों के लिए क्या कोई जगह नहीं है। दरअसल, शाह ने 16 अगस्त को आरोप लगाया था- 'कांग्रेस पार्टी मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। बीच में ही सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को गान को रोकने को कहा था।

● शुद्धिकरण को लेकर बीजेपी को धर्म विरोधी भी बताया

खड़गे ने कहा-गद्दारों को वोट मत दीजिए

खड़गे ने कहा, गोवा के 12 मंत्रियों में से 10 पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। गद्दारों को वोट मत दीजिए। अगर आप उन्हें वोट देंगे, तो आप भी गद्दार बन जाएंगे। उन्होंने कहा,बड़े शहरों के अमीर लोग गोवा में जमीन खरीद रहे हैं। क्या वे इसे आपकी भलाई के लिए खरीद रहे हैं या गोवा का मजाक बनाने के लिए। बाहर से आने वाले लोगों को जमीन खरीदकर मनमानी कीमतों पर घर बनाने और गोवा का शोषण करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दिल्ली पुलिस ने राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ वंदे मातरम के अपमान से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। 16 अगस्त को एस्टेट थाने में एक वकील ने शिकायत की थी। इसमें दोनों नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वंदे मातरम के शुरुआती हिस्से के बाद सोनिया गांधी ने कुछ इशारे किए, जिन्हें गाना जारी रखने पर आपत्ति के तौर पर देखा गया। उधर, भाजपा ने सोनिया गांधी के खिलाफ बेंगलुरु और मंगलुरु में पुलिस शिकायत दर्ज कर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया और कार्रवाई की मांग की।

जंतर-मंतर और झारखंड के बाद पटना में संग्राम

● छात्रों का महाधरना,लालू यादव ने लोकभवन मार्च का किया आह्वान

पटना (एजेंसी)। बिहार में भी छात्र आंदोलन तेज हो गया है। टीआरई-4 की मांग को लेकर पटना में महाधरना का आयोजन किया गया। वहीं राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की ओर से 19 अगस्त को लोकभवन मार्च का आह्वान किया है। टीआरई-4 विज्ञापन और एकल परीक्षा की मांग को लेकर मंगलवार को पटना में छात्रों का महाधरना शुरू हुआ। इस धरना- प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र बैठे हैं। वहीं शिक्षा मंत्री की ओर से आज किसी भी समय विज्ञापन जारी किए जाने का आश्वासन दिया गया है। उधर, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने 19 अगस्त को पटना में प्रस्तावित लोकभवन मार्च में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की है।

तेजस्वी यादव लोकभवन मार्च पर निकलेंगे

दरअसल, बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने 19 अगस्त को पटना में लोकभवन मार्च निकालने की घोषणा की है। तेजस्वी यादव ने इसे 'खुला मार्च' बताते हुए कहा है कि इसमें छात्र, युवा और आम लोग शामिल हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में अशोक पासवान सस्पेंड, विभागीय जांच के आदेश

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र में एक चौकीदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। चौकीदार अशोक पासवान का शराब पीते और एक आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में डांस करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने यह कार्रवाई की। वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लिया और जांच के आदेश दिए। जांच की जिम्मेदारी लालगंज एसडीपीओ गोपाल मंडल को सौंपी गई थी। जांच में वायरल वीडियो से जुड़े आरोप सही पाए गए। वीडियो में चौकीदार अशोक पासवान को शराब का सेवन करते और एक आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में नाचते हुए देखा गया था। यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। एसपी शुभांक मिश्रा ने चौकीदार अशोक पासवान के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने का भी आदेश दिया है। शराबबंदी वाले बिहार में पुलिस विभाग से जुड़े कर्मचारी पर हुई इस कार्रवाई को प्रशासन की सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय रिपोर्टों ने भी इस जांच और कार्रवाई की पुष्टि की है। इस संबंध में सदर एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि, 'लालगंज थाना के चौकीदार है अशोक पासवान एक कार्यक्रम के दौरान नर्तकी के साथ स्टेज पर डांस अश्लील हरकत कर रहा है और इस पार्टी की कार्यक्रम में शराब का सेवन करते हुए देखा गया है। जिसका वीडियो कई सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल हुआ है।' उन्होंने आगे बताया कि, 'वायरल वीडियो को देखते हुए मधुसुदन पकड़ी गांव जाकर जांच किया गया है। लोगों ने बातचीत की है। कई लोगों से यह बात प्रकाश में आई है। मधुसुदन पकड़ी गांव निवासी विनय भगत को 10 अगस्त को पुत्र जन्म लिया था उसी का उपलक्ष्य में 15 अगस्त की रात को पार्टी का आयोजन किया गया था।' 'इसी पार्टी में चौकीदार द्वारा स्टेज पर चढ़कर नर्तकी के साथ डांस और अश्लील हरकत करते देखा गया है। मेरे जांच रिपोर्ट वैशाली पुलिस अधीक्षक को भेजा गया था इसी जांच के आधार पर चौकीदार को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है।'

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए निकाला कैंडल मार्च, ठेकेदार हत्याकांड मामले में जल्द कार्रवाई की मांग

हाजीपुर। हाजीपुर में ठेकेदार रामनरेश राय हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार को कैंडल मार्च निकाला गया। इस मार्च में मृतक के परिजन और सैकड़ों स्थानीय लोग शामिल हुए। उन्होंने फरार शूटरों और हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

रामनरेश राय की हत्या 13 अगस्त को हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी गांव में हुई थी। वे सुबह टहलने निकले थे, तभी अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी थी। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, रामनरेश राय सड़क पर टहल रहे थे, तभी दो बाइक पर सवार चार अपराधी उनके सामने रुके। अपराधियों को देखकर रामनरेश राय ने कच्चे रास्ते की ओर भागने का प्रयास किया। दो अपराधियों ने उनका पीछा किया और करीब से गोली मारकर फरार हो गए। यह पूरी वारदात लगभग 30 सेकंड में हुई थी। परिजनों ने बताया कि रामनरेश राय को कुल आठ गोलियां लगी थीं। कैंडल मार्च के दौरान, लोगों ने पुलिस-प्रशासन से हत्याकांड की गहन जांच करने और सभी आरोपियों व फरार शूटरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की अपील की। मृतक की पत्नी ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उन्हें फांसी की सजा देने की मांग की है। परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

बाबा हरिहरनाथ मंदिर में भव्य श्रृंगार, सोनपुर में बाबा बर्फानी के रूप में दिखे शिव-पार्वती

हाजीपुर। सोनपुर के बाबा हरिहरनाथ मंदिर में श्रावण माह की तीसरी सोमवारी पर सोमवार शाम शिव-पार्वती का भव्य श्रृंगार किया गया। बाबा हरिहरनाथ को बर्फ और फूलों से बाबा बर्फानी के रूप में सजाया गया, जिसे देखकर श्रद्धालुओं को अमरनाथ धाम के दर्शन का अनुभव हुआ। मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया था। मंदिर के पुजारियों ने विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की विशेष आरती की। इस आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और 'हर-हर महादेव' के जयघोष गूंजते रहे। आरती के समापन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। तीसरी सोमवारी के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने पहलेजाघाट गंगा और सोनपुर के विभिन्न घाटों पर स्नान किया। इसके उपरांत उन्होंने बाबा हरिहरनाथ मंदिर सहित अन्य शिवालयों और मठ-मंदिरों में जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। सुबह से देर शाम तक पूरे सोनपुर क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इसी क्रम में, बाबा हरिहरनाथ मंदिर स्थित कालीघाट के नारायणी तट पर शाम को हरिद्वार की तर्ज पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। बाबा हरिहरनाथ मंदिर के मुख्य अर्चक सुशील चंद्र शास्त्री के नेतृत्व और महाकाल बाबा के मार्गदर्शन में पंडितों ने विधि-विधान से मां नारायणी की आरती संपन्न कराई। शंख ध्वनि, घंटियों की गूंज, भक्ति गीतों और जलते दीपकों की श्रृंखला के बीच हुई इस आरती ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। आरती के पश्चात नारायणी नदी की धाराओं में दीप प्रवाहित किए गए, जिससे पूरा तट दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने 'धर्म की जय हो', 'गंगा स्वच्छ रहे' और 'सनातन की जय' जैसे जयघोष किए। देर शाम तक नारायणी तट और बाबा हरिहरनाथ मंदिर परिसर भक्तों से भरा रहा।

मुजफ्फरपुर में दादा-पोती की पीट-पीटकर हत्या, आपसी रंजिश में घर में घुसकर हमला

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के साहेबगंज थाना क्षेत्र के वार्ड-3 स्थित ब्लॉक गेट माई स्थान के पास मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे आपसी रंजिश में दादा-पोती की लोहे के रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान 60 साल के भोला मियां और उनकी 9 साल की पोती अनब खातून के रूप में हुई है। परिजन के अनुसार, घटना उस वक्त की है, जब दोपहर में खाना खाने के बाद भोला मियां अपनी पोती अनब खातून के साथ कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान साहेबगंज थाना रोड के रहने वाले बशीर मियां का 27 साल का बेटा अलताब आलम घर में घुस आया और दोनों पर हमला कर दिया। हमले में भोला मियां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अनब खातून को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। घटना के दौरान भोला मियां का बेटा 35 साल का बेटा मो. शमीम बाहर से आया और बाइक लगाकर घर की सीढ़ियां चढ़ने लगा। शमीम को देख आरोपी ने उस पर भी लोहे के रॉड और चाकू से हमला कर दिया। हमले में मोहम्मद शमीम भी घायल हो गया। मोहम्मद शमीम ने बताया कि आरोपी के हमले के दौरान मैंने उसके चेहरे पर वार किया, जिसके बाद वो बेहोश होकर मेरे ही घर पर गिर गया। एक पड़ोसी ने तत्काल मेरी मदद की और आसपड़ोस के लोगों को इसकी जानकारी दी। फिलहाल, घायल आरोपी अलताब और मृतक बुजुर्ग के बेटे शमीम को बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच रेफर किया गया है। परिजनों के अनुसार, आरोपी अलताब आलम और मृतक भोला मियां आपस में पट्टीदार हैं। दोनों परिवारों के बीच पहले से आपसी रंजिश चलने की बात बताई जा रही है। हालांकि, हत्या की वास्तविक वजह और घटना के पीछे का विवाद क्या था, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। दादा-पोती की हत्या की सूचना मिलते ही साहेबगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई। घटना के कारणों के साथ-साथ आरोपी की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। इस मामले में एसडीपीओ सरैया अभिजीत कौर ने बताया कि साहेबगंज थाना क्षेत्र के वार्ड-3 स्थित ब्लॉक गेट माई स्थान के पास आपसी रंजिश में हत्या की सूचना मिली है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है।

शराब पार्टी में जमीन कारोबारी की हत्या, दोस्त दो गोली मारकर फरार

एजेंसी, पटना

पटना में सोमवार की रात युवक की हत्या कर दी गई। मृतक जमीन करोबारी गोलू कुमार है, जो दोस्तों के साथ घर से 100 मीटर की दूरी पर शराब पार्टी कर रहा था। इसी दौरान दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। दोस्तों ने गोलू को दो गोलियां मार दी। एक गोली गोलू के बांह और दूसरी बुलेट पीठ में लगी है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। अभी ये क्लियर नहीं है कि गोलू के साथ कितने दोस्त शराब पार्टी के लिए बैठे थे। घटना फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के करौड़ीचक गांव की है।

फायरिंग की आवाज पर ग्रामीण पहुंचेः गोलू के भाई महेश कुमार के अनुसार रात में हल्की बारिश हो रही थी। फायरिंग हुई तो गोली की आवाज पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने गोलू को पहचान लिया। जिसके बाद ग्रामीणों ने महेश को घटना की जानकारी दी। गोलू गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए पटना एम्स ले जाया गया था, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जमीन का कारोबार करता थाः मृतक गोलू कुमार के भाई महेश कुमार ने बताया कि छोटा भाई छोटी-मोटी जमीन का कारोबार करता था। उन्होंने जानकारी दी कि बीती रात लगभग 10 बजे गोलू अपने कुछ दोस्तों के साथ घर से किसान कॉलोनी में बैठा हुआ था। इसी दौरान मुझे सूचना मिली कि भाई को गोली लगी है। जिसके बाद मैंने तुरंत स्थानीय थाने की पुलिस को इसकी जानकारी दी।

घर से 100 मीटर दूर बैठा था

जांच के लिए पहुंची पुलिसः सूचना मिलने पर फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आगे की कार्रवाई जारी है। नगर पुलिस अधीक्षक पश्चिम संकेत कुमार ने बताया कि बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि किसान कॉलोनी में एक युवक का शव पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान गोलू कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्ट्या में मामला गोली मारकर हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया गया है।

पटना के जीरो माइल पर जाम का मुद्दा हाईकोर्ट पहुंचा

एजेंसी, पटना

अधिकारियों से मांगा जवाब, अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी

पटना के जीरो माइल चौहारे पर रोज भीषण जाम लगता है। इसको लेकर पटना हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने संबंधित विभागों को संयुक्त हलफनामा दायर करने का आदेश दिया है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुधीर सिंह और न्यायमूर्ति राजेश कुमार वर्मा की खंडपीठ ने राजीव रंजन सिंह की याचिका पर सुनवाई की।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता बीरेन्द्र कुमार ने कोर्ट को बताया कि जीरो माइल के पूर्वी छोर पर लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है। इस पर खंडपीठ ने राज्य सरकार के महाधिवक्ता एसडी संजय को मामले को संबंधित अधिकारियों के सामने रखने का निर्देश दिया। कोर्ट ने हलफनामे में जाम की समस्या दूर करने के लिए प्रस्तावित कदमों की जानकारी देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

सड़क पर ही गाड़ियां लगा दी जातीः बैरिया बस स्टैंड से छोटी पहाड़ी होते हुए जीरो माइल तक जाम की बड़ी वजह सड़क किनारे बस और ट्रकों की पार्किंग बताई जा रही है। बस स्टैंड में खड़ी होने के बजाय कई पहाड़ी मोड़, मसौढ़ी मोड़ और जीरो माइल के आसपास सड़क पर ही खड़ी रहती हैं। कई जगह छतरी लगाकर सड़क किनारे बसों के काउंटर भी संचालित किए जाते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन काउंटरों के आसपास कमीशन पर काम करने वाले दलाल यात्रियों को ऑटो और ई-रिक्शा से उतारकर बसों तक पहुंचाते हैं। इससे सड़क पर यात्रियों और वाहनों की भीड़ बढ़ जाती है और जाम की स्थिति और गंभीर हो जाती है।

चेन स्नेचिंग करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में एक महिला से चेन स्नेचिंग को कोशिश हुई। बदमाश ने महिला के साथ जबरदस्ती करते हुए चेन छीनने की कोशिश की। महिला ने हिम्मत दिखाई और बदमाशों का विरोध किया। महिला शोर मचाने लगी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इसी बीच तीन ऑटो चालक समेत 3 आरोपी फरार हो गए, दो को लोगों ने पकड़ लिया।

पीड़ित महिला रिपु कुमारी के अनुसार, वह दोपहर में दानापुर से ललित भवन जाने के लिए ऑटो में बैठी थी। घटना शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र की है। पीड़िता के अनुसार ऑटो का नंबर BR 01PD 2496 है। ऑटो में पहले से चालक समेत तीन लोग सवार थे। करीब एक बजे ऑटो पारस हॉस्पिटल के पास पहुंचा। ओवरब्रिज से आगे बढ़ने के दौरान 2 बाइक सवार युवकों ने ऑटो को ओवरटेक करना शुरू किया।

ऑटो में सवार तीन लोगों और बाइक सवार दो युवकों ने मिलकर जबरन मेरी चेन छीनने की कोशिश की। बदमाशों ने जोर-जबरदस्ती भी की।

मौके से पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान मोहम्मद सिकंदर और मोहम्मद नौजीम के रूप में हुई है। दोनों फुलवारी शरीफ के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना को लेकर महिला ने शास्त्रीनगर थाने में लिखित शिकायत दी है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर फरार आरोपियों की पहचान और घटना में उनकी भूमिका की जांच कर रही है।

पेंट मैन्युफैक्चरिंग हाउस में लगी आग, 50 लाख से ज्यादा का नुकसान, 12 फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुझाने पहुंची

एजेंसी, पटना

पटना में गोपालपुर थाना क्षेत्र के चक बैरिया में मंगलवार को एक पेंट मैन्युफैक्चरिंग हाउस में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा परिसर इसकी चपेट में आ गया। परिसर में रखा कच्चा माल और अन्य सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना में 50 लाख रुपये से अधिक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, पेंट मैन्युफैक्चरिंग हाउस को करीब दो महीने पहले ही चक बैरिया में स्थानांतरित किया गया था। परिसर में लगे बोर्ड और अन्य पहचान सामग्री भी जलकर नष्ट हो गई। इसके कारण फिलहाल कंपनी का नाम स्पष्ट नहीं हो सका है।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंकाः प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, अग्निशमन विभाग और पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

सोमवार को ही आया था करीब 50 लाख का कच्चा मालः मौके पर मौजूद एक मजदूर ने बताया, सोमवार को ही मैन्युफैक्चरिंग हाउस में करीब 50 लाख रुपये का कच्चा माल लाया गया था। आग की चपेट में आने से यह पूरा माल नष्ट हो गया। इससे नुकसान का आंकड़ा काफी बढ़ने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही गोपालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने के लिए करीब 12 दमकल गाड़ियों को लगाया गया। दमकलकर्मी लगातार आग बुझाने में जुटे रहे, लेकिन खबर लिखे जाने तक आग पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सकी थी।

आग की सूचना मिलते ही निकले मालिक, रास्ते में बिगड़ी तबीयतः सूत्रों के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग हाउस के मालिक को जैसे ही आग लगने की जानकारी मिली, वे घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। बताया जा रहा है कि रास्ते में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें हार्ट अटैक जैसे लक्षण महसूस हुए। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

जांच के बाद सामने आएगा नुकसान और आग का कारणः फिलहाल अग्निशमन विभाग आग पर पूरी तरह काबू पाने और पुलिस नुकसान का आकलन करने में जुटी है। कंपनी के मालिक या प्रबंधन की ओर से घटना को लेकर अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पुलिस और अग्निशमन विभाग की जांच के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारण और कुल नुकसान का स्पष्ट आकलन हो सकेगा।

टीआरई-4 का नोटिफिकेशन जारी, 32,388 पदों पर निकली वैकेंसी, 1 सितंबर से आवेदन

एजेंसी, पटना

♦ अभ्यर्थी बोले- प्रदर्शन जारी रहेगा छात्रों से मिलने पहुंचे तेजस्वी

BPSC ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (TRE-4) का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। TRE-4 के तहत कुल 32,388 पदों पर भर्ती की जाएगी। 1 सितंबर से ऑनलाइन आवेदन शुरू होगा। आवेदन की अंतिम तारीख 30 सितंबर है। फिलहाल परीक्षा की तारीख घोषित नहीं की गई है। TRE-4 और अन्य लंबित परीक्षाओं की मांग को लेकर छात्र कई दिनों से पटना के गर्दनीबाग में अनिश्चितकालीन 'छात्र न्याय सत्याग्रह' पर बैठे हैं। छात्र नेता दिलीप कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र सत्याग्रह कर रहे हैं। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद भी छात्रों का कहना कि उनका प्रदर्शन जारी रहेगा।

छात्रों की मांग है कि TRE-4 में सिर्फ एक ही परीक्षा होनी चाहिए। वे PT और मेंस परीक्षा नहीं चाहते हैं। उनका कहना है कि सरकार को जो भी नया प्रयोग करना है, वह TRE-5 से करे। इसके अलावा अभ्यर्थी TRE-4 में डोमिसाइल नीति लागू करने की भी मांग कर रहे हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मंगलवार को धरने पर बैठे छात्रों से मिलने गर्दनीबाग पहुंचे। छात्रों से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने कहा, "कल राजभवन मार्च में आप लोगों का भी मुद्दा हम उठाएंगे।" इससे पहले तेजस्वी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सम्राट सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 19 अगस्त को छात्रों के साथ राजभवन मार्च किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान बिहार के कई जिलों में छात्रों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी की गई, लेकिन अब तक किसी जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई है। इधर, छात्रों के प्रदर्शन के बीच चिराग पासवान ने सम्राट चौधरी को चिट्ठी लिखकर असिस्टेंट प्रोफेसर बहाली में गेस्ट टीचर को प्राथमिकता समेत 7 मांगें रखी हैं। पटना के गर्दनीबाग में सरकार के खिलाफ नारेबाजी हो रही है। स्टूडेंट्स बैनर पोस्टर लेकर बैठे हैं। छात्रों ने कहा कि हमें 2 से 4 दिन के अंदर TRE-4 का नोटिफिकेशन चाहिए। हम लोग लॉलीपॉप नहीं लेंगे। छात्रों ने शिक्षा मंत्री को मिस्टेक तिवारी बताया। कहा कि उन्होंने इसका नोटिफिकेशन जारी नहीं करने पर इस्तीफा देने की बात की थी। वो नोटिफिकेशन जारी नहीं कर पा रहे हैं तो इस्तीफा दे दें। छात्र नेता दिलीप ने कहा कि बिहार के करोड़ों छात्रों को हितों को देखते हुए हम आज से धरने पर बैठ रहे हैं। 24 घंटे के अंदर TRE-4 का नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ तो शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें। हम चाहते हैं कि ये परीक्षा एक बार में ली जाए। शिक्षा मंत्री ने कहते थे 25 जुलाई तक नोटिफिकेशन आ जाएगा। 24 घंटे में संशोधन कर देंगे। उनकी सब बातें झूठी हैं। ये शिक्षकों के ट्रांसफर पोस्टिंग भी ठीक से नहीं कर पाए हैं। हम उन्हें 24 घंटे का वक्त दे रहे हैं इसके बाद उनके आवास का घेराव करेंगे।

पटना नगर निगम के 6 अंचलों में लगा सहयोग शिविर

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम की ओर से नागरिकों की समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए आज शहर के सभी छह अंचलों में 'सहयोग शिविर' लगाया गया। शिविर में लोग अपनी शिकायत, सुझाव और विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं के आवेदन एक ही जगह जमा कर रहे। नगर निगम की ओर से हर महीने के पहले और तीसरे मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया जाता है। बांकीपुर अंचल में आयोजित सहयोग शिविर में सबसे ज्यादा पेंशन और राशन कार्ड से जुड़े मामले आ रहे हैं। पेंशन के मामले से जुड़े काम को लेकर नमिता सिंह सहयोग शिविर में पहुंची थी। उन्होंने बताया कि करीब 3 महीने से उन्हें पेंशन नहीं मिला था। अप्रैल से पेंशन बंद होने के बाद उन्हें काफी परेशानी हो रही थी। हाथ में कुछ पैसे रहते हैं तो काम हो जाता है। मुझे जब इस सहयोग शिविर के बारे में पता चला तो आज मैं यहां आई हूं।

वहीं, सुक्कू कुमार ने कहा कि मेरी समस्या पटना नगर निगम के नगर आयुक्त से संबंधित है। सेवांत लाभ चार महीना पहले स्वीकृत हो गया है, लेकिन भुगतान अभी तक नगर आयुक्त के यहां लंबित है। एरियर से संबंधित वेतन संशोधन भी स्वीकृत हो गया है, लेकिन उसका पेमेंट भी नगर आयुक्त के पास लंबित है। इससे हमें काफी परेशानी हो रही है। शिविर में बैठे अधिकारियों ने बताया है कि उनका आवेदन ले लिया गया है और आगे भेजा जाएगा, जैसा आदेश निर्गत होगा वैसी कार्रवाई की जाएगी।

पटना समेत 5 जिलों में बारिश, पूरे बिहार में अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। पटना, बेगूसराय, जहानाबाद, आरा और औरंगाबाद में मूसलाधार बारिश हुई है। मौसम विभाग ने आज भी पूरे प्रदेश में बारिश की संभावना जताई है। इसे लेकर 24 जिलों में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

जबकि पटना समेत 14 जिलों में यलो अलर्ट है। वहीं, बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड के रेवहिया में गंडक नदी का कटाव लगातार जारी है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय के पांच में से चार कमरे नदी में समा गए हैं। अब पैक्स गोदाम पर खतरा मंडरा रहा है।

IMD के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने लो प्रेशर की वजह से पूर्वी भारत के कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है। अगले 48 घंटे में बिहार में भी इसका असर देखने को मिलेगा। 19-20 अगस्त को कई जिलों में हेवी रेन की चेतावनी है। बिहार में अब तक सामान्य से 41% कम बारिश दर्ज की गई है। अबतक 387.7 mm बारिश हुई है, जबकि 687.7 mm वर्षा होनी चाहिए थी।

सोमवार को पटना में तेज बारिश हुई। महज 40 मिनट की बारिश में राजधानी के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई। करबिगहिया इलाके में सड़क पर 3 फीट तक पानी भर गया।

समस्तीपुर से पैदल मार्च करते पटना पहुंचे ग्रामीण एक्सप्रेस-वे निर्माण पुराने नक्शे पर कराने की मांग

एजेंसी, पटना

♦ कहा- राज्यपाल से भेंट न कराई तो शहर होगा जाम

समस्तीपुर के सरायरंजन से ग्रामीण और समाजसेवी 3 दिन पैदल चलकर पटना पहुंचे हैं। ये लोग सरायरंजन में बन रहे ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के रूट में बदलाव का विरोध कर रहे हैं। समाजसेवी कुणाल कुमार के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीण हाथों में काला झंडा लेकर राज्यपाल से मुलाकात करने के लिए लोक भवन के लिए निकले हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए तैयार किए गए नए नक्शे में जानबूझकर बदलाव किया गया है, जिससे सरायरंजन स्थित केएसआर कॉलेज के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। कुणाल कुमार ने कहा कि अगर प्रशासन आधे घंटे के अंदर कोई ठोस निर्णय नहीं लेता है या प्रदर्शनकारियों की राज्यपाल से मुलाकात नहीं कराई जाती है, तो वे पूरे पटना को जाम करने के लिए मजबूर होंगे। मांग स्पष्ट है कि एक्सप्रेस-वे का निर्माण पुराने नक्शे के आधार पर किया जाए।

डिप्टी सीएम के परिवार की जमीन बचाने का आरोपः प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरायरंजन में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के पुराने नक्शे में डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी के परिजन की जमीन प्रभावित हो रही थी। ग्रामीणों का दावा है कि इसके बाद कंपनी से बातचीत कर एक्सप्रेस-वे के नक्शे और रूट में बदलाव कराया गया। आरोप है कि नए रूट के दायरे में केएसआर कॉलेज आ रहा है, जिसके कारण कॉलेज की पूरी इमारत को ध्वस्त करने की स्थिति बन सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी परियोजना के रूट में बदलाव करना उचित नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और पुराने नक्शे के आधार पर एक्सप्रेसवे का निर्माण कराने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, इस मुद्दे को लेकर वे लगातार सवाल उठाते रहे हैं। ग्रामीणों और समाजसेवी कुणाल कुमार ने इस संबंध में डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी से मुलाकात भी की थी। हालांकि, उनका कहना है कि मुलाकात के बावजूद विवाद का कोई ठोस समाधान नहीं निकला। इसी वजह से अब ग्रामीणों ने राज्यपाल से मिलकर अपनी शिकायत रखने का फैसला किया है। कुणाल कुमार के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण काला झंडा लेकर पटना पहुंचे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से राज्यपाल से मुलाकात कर अपनी मांग और शिकायत उनके सामने रखना चाहते हैं।

सहयोग शिविर में 59 पंचायतों में सुनी गईं लोगों की समस्याएं, त्वरित समाधान के निर्देश

अब तक 18,101 आवेदनों में से 17,062 का हुआ निष्पादन, 94.26 प्रतिशत शिकायतों का समाधान

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले की शेष 59 पंचायतों में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। जिले में सहयोग शिविरों के आयोजन की शुरुआत 19 मई 2026 से हुई थी। पूर्व के पांच चरणों में जिले की 335 पंचायतों में शिविर का सफल आयोजन किया जा चुका है। मंगलवार को शेष 59 पंचायतों में शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी गईं। सदर मोतिहारी प्रखंड की रुलही ग्राम पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने शिरकत की और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को शिकायतों का त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी अरुण कुमार सहित प्रखंड स्तर के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। शिविर में उमेश पासवान की पत्नी विमल देवी ने बताया कि उनके नाम से जमीन का पर्चा कटा हुआ है, लेकिन दूसरा व्यक्ति जबरन घर का निर्माण करा रहा है। जिलाधिकारी ने अंचल अधिकारी को एक दिन के भीतर जांच कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया। वहीं, कई अन्य ग्रामीणों ने भी जमीन का पर्चा दिलाने की मांग रखी। वहीं राम जी राम ने बताया कि उनके पुत्र की मृत्यु 30 जुलाई 2025 को हो गई थी। उन्होंने राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत सहायता की मांग की। जिलाधिकारी ने आवेदन अनुमंडल पदाधिकारी को सौंपते हुए दो दिनों के भीतर जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। रुलही पंचायत में कुल 12 वार्ड हैं। सोलर लाइट से संबंधित शिकायतों पर जिलाधिकारी ने प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को उसी दिन सभी वार्डों का भ्रमण कर जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि एजेंसी की ओर से किसी प्रकार की गड़बड़ी

पाई जाती है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने सदर प्रखंड की सभी 16 पंचायतों में अगले 16 दिनों के भीतर भ्रमण कर सोलर लाइट की स्थिति का प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। नल-जल योजना से संबंधित शिकायतों पर जिलाधिकारी ने कनीय अभियंता विद्युत एवं पीएचईडी को समस्या वाले क्षेत्रों में शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं, ग्रामीण लक्ष्मण दास ने बताया कि अंत्योदय योजना के तहत निर्धारित मात्रा से कम, मात्र 30 किलोग्राम खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि जहां आवश्यकता हो, अपनी देखरेख में खाद्यान्न का वितरण कराएं। उन्होंने सभी स्थानों पर निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने तथा कमी पाए जाने पर संबंधित डीलर के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने को कहा। रुलही पंचायत में आयोजित शिविर में कुल 66 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 26 आवेदनों का निष्पादन किया गया। वहीं, 36 आवेदन राशन कार्ड से संबंधित थे, जिनका निष्पादन राशन कार्ड संबंधी वेबसाइट के सुचारू रूप से संचालित नहीं होने के कारण नहीं हो सका। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि वेबसाइट के चालू होते ही प्राप्त सभी आवेदनों पर राशन कार्ड निर्गत करने की कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए सहयोग शिविर के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराते हुए समाधान की प्रक्रिया में तत्पर रहना होगा। सहयोग शिविर पंचायत स्तर पर समस्याओं के समाधान के लिए सरकार की ओर से बनाई गई समुचित व्यवस्था है, जहां लोग अपनी समस्याएं दर्ज कराकर उनका समाधान करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए कृतसंकल्पित है। समस्याओं को ऑनलाइन सहयोग पोर्टल अथवा ऑफलाइन माध्यम से दर्ज कराया जा सकता है। प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि शिकायतें प्रखंड विकास पदाधिकारी अथवा अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में भी दी जा सकती हैं। यदि वहां समस्या का समाधान नहीं होता है तो प्रत्येक कार्यदिवस में शाम 4 बजे से 5 बजे तक जिलाधिकारी कार्यालय में उनसे मिलकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर लोगों का जीवन आसान बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है और इसी दिशा में कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुखिया मदन मोहन दास, सरपंच सुरेंद्र साह सहित पंचायत स्तर के सभी कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बंगाल के शैंको ज्वेलर्स लूटकांड का आरोपी गिरफ्तार, हथियार व गांजा बरामद

बीएनएम@ समस्तीपुर : समस्तीपुर समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के महमदीपुर पंचायत स्थित एक बगीचे में सोमवार देर रात पुलिस ने छापेमारी कर बड़ी घटना की योजना बना रहे तीन कुख्यात अपराधियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में पश्चिम बंगाल के चर्चित मुर्शिदाबाद स्थित शैंको ज्वेलर्स लूटकांड में कथित रूप से शामिल मुख्य आरोपी राजतिलक भी शामिल है। पुलिस ने उनके पास से एक पिस्टल, मैगजीन, चाकू और 1.27 ग्राम गांजा बरामद किया है।गिरफ्तार अपराधियों की पहचान घटहो थाना क्षेत्र के जगदीशपुर निवासी राजतिलक, मनियर गांव निवासी गोलू कुमार और महमदीपुर निवासी अमन कुमार उर्फ रोड पिलर के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सचिन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि महमदीपुर के एक बगीचे में कुछ अपराधी किसी वारदात की साजिश रच रहे हैं। सूचना पर डीआईयू, एसटीएफ, विद्यापतिनगर थाना पुलिस और स्थानीय थाने की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर तीनों को धर दबोचा।पटोरी डीएसपी वीरेंद्र कुमार मेधावी ने बताया कि गिरफ्तार राजतिलक का संबंध पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध शैंको ज्वेलर्स लूटकांड से है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है तथा अन्य सदस्यों की संलिप्तता की जांच कर रही है। अभियान में थानाध्यक्ष सचिन कुमार, अपर थानाध्यक्ष अन्नू सिंह, पीएसआई नीतीश कुमार समेत डीआईयू और एसटीएफ के जवान शामिल रहे।

बगहा एक के चार पंचायतों में लगा सहयोग शिविर

बीएनएम@ बगहा। पश्चिमी चंपारण के बगहा एक प्रखंड की चार पंचायतों— लगुनाहां चौतरवा, चन्द्राहा रूपवलिया, नड्डा और चखनी रजवटिया— में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मंगलवार को विशेष सहयोग शिविर लगाया गया। शिविर का उद्देश्य जनता की शिकायतों का क्षेत्र में ही प्रभावी निराकरण करना है।शिविर में समाज कल्याण, आवास योजना, मनरेगा, खाद्य आपूर्ति, विद्युत और शिक्षा सहित विभिन्न विभागों के अलग-अलग स्टॉल लगे। अधिकारियों व कर्मियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया। जन्म प्रमाण पत्र के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की गई।बीडीओ प्रदीप कुमार और सीओ रवि भूषण गौरव ने शिविरों का निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध निवारण के कड़े निर्देश दिए। लगुनाहा चौतरवा में मुखिया शैल देवी व आनंद शाही, चन्द्राहा रूपवलिया में मुखिया संध्या देवी व नंदलाल साह तथा अन्य पंचायतों में मुखिया के नेतृत्व में शिविर संपन्न हुआ।इस दौरान जिला योजना पदाधिकारी प्रदीप कुमार गुप्त, उप प्रमुख सर्वजीत पटेल, पंचायत सचिव अब्दुल वाशिद अली व अंकित कुमार समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। प्रशासन ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का भरोसा दिलाया है।

कार और बाइक की भीषण टक्कर में एक की मौत

बीएनएम@ बगहा : बगहा पुलिस जिला के नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत धनहा-रतवल मुख्य पथ पर मंझार भड़रवा दियारे के पास मंगलवार दोपहर कार और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सड़क से करीब 50 मीटर नीचे जा गिरी।घटना की सूचना मिलते ही नदी थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद और धनहा अंचल के पुलिस निरीक्षक रमाकांत तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।तलाशी के दौरान पुलिस ने पाया कि जिस कार से टक्कर हुई, उसकी डिक्की से भारी मात्रा में शराब बरामद हुई है, वहीं बाइक पर बोरी में मांस लदा हुआ था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस दुर्घटना के साथ-साथ शराब तथा मांस तस्करी के एंगल से भी मामले की गहन जांच कर रही है।

भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक बने प्रभु नारायण, चम्पारण संभाग का मिला प्रभार

बीएनएम@ मोतिहारी/पटना

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी प्रभु नारायण को भाजपा बिहार प्रदेश वाणिज्य प्रकोष्ठ का प्रदेश सह-संयोजक मनोनीत किया गया है। साथ ही उन्हें चम्पारण संभाग के संगठनात्मक जिलों बगहा, बेतिया और रक्सौल का महत्वपूर्ण प्रभार सौंपा गया है। मनोनयन पत्र वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रो. (डॉ.) जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता ने जारी किया। प्रभु नारायण को नई जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके संगठनात्मक अनुभव से चम्पारण क्षेत्र में पार्टी का व्यापारिक एवं वाणिज्यिक आधार और अधिक मजबूत होगा। उनके मनोनयन पर सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह, पूर्व सांसद रमा देवी, सांसद डॉ. संजय जायसवाल, विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार, राणा रंधीर सिंह, विधायक लाल बाबू गुप्ता, सचिन्द्र सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, पूर्व विधायक सुनील मणि त्रिपाठी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने बधाई दी। इसके अलावा जिलाध्यक्ष सुनील सहनी, श्याम बाबू यादव, प्रमोद कुमार सिन्हा, अशोक पांडेय, परमानंद जायसवाल, धीरज जायसवाल, ज्ञानेन्द्र किशोर उर्फ बप्पी साह, ओम प्रकाश आर्य,

वसीम आलम तथा पूर्व जिला परिषद सदस्य सुरेंद्र प्रसाद, राजेश तिवारी, मंडल अध्यक्ष दिनेश कुशवाहा, अमित सिंह, अजय सिंह, प्रमुख भोला यादव, उपप्रमुख सुबोध कुमार, प्रभात कुशवाहा और मनीष कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं। प्रभु नारायण ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा से खरा उतरेंगे और चम्पारण संभाग में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

रामगढ़वा के मुरला व बेला पंचायत में सहयोग शिविर, कई मामलों का हुआ ऑन-द-स्पॉट निष्पादन

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा प्रखंड की मुरला एवं बेला पंचायत में सोमवार को पंचायत स्तरीय सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखीं। कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि शेष शिकायतों के समाधान के लिए 30 दिनों के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। शिविर में रक्सौल के एसडीएम नागमणि कुमार वर्मा, बीडीओ राकेश कुमार, सीओ अमित कुमार तथा थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर संजीव मौआर उपस्थित रहे। इसके अलावा एसआई रामेश्वर राम, एसआई अमरजीत पासवान, बीसी घनश्याम कुमार एवं बीआरसी सुमित कुमार ने भी ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं। पंचायत प्रतिनिधियों में मुरला पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बबलू साह तथा बेला पंचायत के मुखियापति शेख वहाब सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अधिकारियों की मौजूदगी से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित विभागों के समक्ष रखने का अवसर मिला। अधिकारियों ने बताया कि सहयोग शिविर का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। ग्रामीणों ने शिविर की सराहना करते हुए ऐसे आयोजन नियमित रूप से कराने की मांग की।

क्यों न फिर से गांव की मिट्टी में गूंजे- कबड्डी... कबड्डी... कबड्डी...?

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। शाम ढलते ही गांव के मैदान में युवाओं की टोलियां जुटती थीं। कोई मिट्टी को समतल करता, कोई सीमा की लकीर खींचता और देखते ही देखते मैदान तैयार हो जाता। फिर अचानक एक आवाज सन्नाटे को चीरती थी- "कबड्डी... कबड्डी... कबड्डी..."। सांस रोककर दौड़ता खिलाड़ी, उसे रोकने के लिए टूट पड़ते प्रतिद्वंद्वी और किनारे खड़े लोगों की तालियों से गूंजता पूरा गांव।

यह सिर्फ एक खेल नहीं था। यह गांव की शाम का उत्सव था, युवाओं की ताकत का प्रदर्शन था और सामाजिक मेलजोल का एक सहज माध्यम भी।

लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। जिन मैदानों पर कभी कबड्डी के मुकाबले हुआ करते थे, वहां कहीं मोबाइल की स्क्रीन ने कब्जा कर लिया है तो कहीं क्रिकेट की चमक ने। कई गांवों में तो खेल का मैदान ही गायब हो गया है। कबड्डी, जो कभी गांव-जवार की पहचान हुआ करती थी, अब धीरे-धीरे यादों का खेल बनती जा रही है।

विडंबना यह है कि आज जब युवाओं को फिटनेस के लिए जिम, महंगे उपकरण और विशेष प्रशिक्षण की तलाश है, उसी गांव की मिट्टी में ऐसा खेल मौजूद है जो शरीर और दिमाग दोनों को एक साथ साधता है।

कबड्डी में खिलाड़ी को केवल ताकतवर होना पर्याप्त नहीं। उसे तेज भी होना पड़ता है और चतुर भी। एक रेडर को विरोधी के क्षेत्र में घुसकर सांस नियंत्रित रखते हुए अंक हासिल करना होता है और सुरक्षित लौटना होता है। दूसरी ओर डिफेंडरों को पलक झपकते ही रणनीति बनाकर उसे रोकना होता है। दौड़, छलांग, संतुलन, फुर्ती, ताकत, सांस पर नियंत्रण और तत्काल निर्णय लेने की क्षमता- कबड्डी इन सभी का अभ्यास कराती है।

यही वजह है कि गांव-जवार

के युवाओं के लिए कबड्डी केवल शारीरिक सौष्ठव का खेल नहीं, बल्कि अनुशासन और मानसिक मजबूती की पाठशाला भी हो सकती है।

इस खेल की एक और खूबी है- इसमें साधनों की जरूरत बेहद कम है। न महंगा बल्ला चाहिए, न गेंद, न बड़ी मशीनें। थोड़ी-सी जमीन, कुछ साथी और खेलने का जुनून हो तो गांव का कोई भी मैदान कबड्डी का अखाड़ा बन सकता है।

कभी यही सादगी इसकी ताकत थी- कबड्डी के मैदान में गांव के अलग-अलग टोले, जातियों और परिवारों के बच्चे एक साथ उतरते थे। मुकाबला खत्म होने के बाद जीतने और हारने वाले साथ बैठते थे। खेल ने गांवों में प्रतिस्पर्धा के साथ दोस्ती, सहयोग और टीम भावना को भी मजबूत किया। शायद यही कारण है कि कबड्डी को गांव के सामाजिक स्वास्थ्य से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

आज जरूरत इस बात की है कि पंचायतें, विद्यालय, युवा क्लब और स्थानीय प्रशासन इस खेल को सिर्फ खेल प्रतियोगिता तक सीमित न रखें। गांवों में छोटे खेल मैदान चिन्हित हों, नियमित कबड्डी अभ्यास शुरू हो, स्थानीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित हों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को जिला व राज्य स्तर तक पहुंचाने की व्यवस्था बने।

क्योंकि गांव की मिट्टी में प्रतिभा आज भी कम नहीं हुई है। कमी अगर है तो मैदान, अवसर और प्रोत्साहन की।

क्रिकेट और दूसरे आधुनिक खेलों की अपनी जगह है, लेकिन कबड्डी को बचाना हमारी उस ग्रामीण खेल संस्कृति को बचाना भी है, जिसने बिना संसाधनों के पीढ़ियों को मजबूत बनाया।

सोचिए, जिस मैदान में कभी शाम होते ही बच्चों और युवाओं की आवाजें गूंजती थीं, वहां आज अगर सन्नाटा है तो सवाल सिर्फ इतना नहीं कि कबड्डी क्यों खत्म हो रही है?

सवाल यह भी है कि हमने अपने गांव के मैदानों को क्यों छोड़ दिया?

शायद जरूरत है उस मिट्टी को फिर से छूने की। फिर से सीमा की लकीर खींचने की। फिर से युवाओं को मैदान में बुलाने की।

और फिर किसी शाम गांव की हवा में वही पुरानी आवाज गूंजे...

"कबड्डी... कबड्डी... कबड्डी..."

क्योंकि कबड्डी को बचाना सिर्फ एक खेल को बचाना नहीं, गांव की धड़कन को फिर से मैदान तक लौटाना है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के सचिव नितिन त्रिपाठी ने मंगलवार को अपने कक्ष में पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में लोक अदालत को सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए रणनीति तैयार करने के साथ पैनल अधिवक्ताओं को उनके दायित्वों के प्रति जागरूक किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि लोक अदालत आमजन को त्वरित, सुलभ और कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने पैनल अधिवक्ताओं से लंबित एवं

समझौता योग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों से संपर्क स्थापित करने तथा आपसी सहमति से मामलों के निष्पादन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत की सफलता केवल अधिक संख्या में मामलों के निष्पादन से नहीं, बल्कि पक्षकारों की संतुष्टि और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने से मापी जानी चाहिए। इसके लिए सभी अधिवक्ता समन्वित रूप से कार्य करें और आम लोगों के बीच लोक अदालत के उद्देश्यों एवं लाभों को लेकर व्यापक विधिक जागरूकता फैलाएं। बैठक में जिले में न्यूनतम कार्य योजना (मिनिमम एक्शन प्लान) के तहत संचालित विधिक जागरूकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। सचिव ने पैनल अधिवक्ताओं को पैरा लीगल वालंटियर्स के साथ समन्वय कर ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया।

इस दौरान निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, महिला एवं बाल संरक्षण कानून, बाल विवाह, दहेज प्रथा, साइबर अपराध और नशा मुक्ति सहित विभिन्न जनहितकारी कानूनी विषयों पर लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया।

सचिव ने कहा, "न्याय तभी सार्थक है, जब उसकी जानकारी और पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो।" उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकार का उद्देश्य केवल न्यायालय परिसर तक सीमित न रहकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक विधिक सहायता और जागरूकता पहुंचाना है। बैठक में पैनल अधिवक्ताओं ने राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने तथा न्यूनतम कार्य योजना के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सचिव ने सभी अधिवक्ताओं से 12 सितंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए मिशन मोड में कार्य करने का आह्वान किया।

संत रविदास जयंती पर समरसता संकल्प अभियान के तहत निकली कलश यात्रा

बीएनएम@ मोतिहारी

गुरु संत रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश यात्रा निकाली गई। समाहरणालय परिसर से पूर्वाह्न 10 बजे जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कलश यात्रा समाहरणालय परिसर से दुर्गा मंदिर, कचहरी चौक, प्रेक्षा गृह होते हुए बैलखाना वार्ड संख्या 34 एवं 35 तक पहुंची। इस दौरान सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। यात्रा में नगर निगम मोतिहारी के उप महापौर लालबाबू

गुप्ता, अपर समाहर्त्ता (विभागीय जांच) मो. सिबगतुल्लाह, नजारत उप समाहर्त्ता प्रेमलता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संतोष कुमार पांडे, जिला कल्याण पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश सहित सदर मोतिहारी, तुरकौलिया एवं कोटवा के प्रखंड कल्याण पदाधिकारी और विकास मित्र शामिल हुए। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से आयोजित इस कलश यात्रा के माध्यम से समाज में समानता, सद्भाव और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

तेजस्वी अपनी पार्टी की नियंत्रणहीन स्थिति पर ध्यान दें: संजय झा

सिवान AK-47 मामले पर संजय झा का पलटवार

बीएनएम@ पटना। बिहार के सिवान में एके-47 से फायरिंग की घटना पर गरमाई सियासत के बीच जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सरकार की कार्रवाई का जोरदार बचाव किया है। उन्होंने कहा कि घटना सामने आते ही सरकार ने पूरी गंभीरता दिखाते हुए तत्काल निलंबन समेत सभी आवश्यक कदम उठाए।छात्र आंदोलन पर बोलते हुए संजय झा ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में छात्रों को अपनी बात रखने का अधिकार है और मुख्यमंत्री ने छात्रहित में मामलों को समाप्त करने का सकारात्मक रुख दिखाया है। वहीं, तेजस्वी यादव द्वारा उठाए गए सवालों और 19 अगस्त के लोकभवन मार्च पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब यह मुद्दा गरमाया था तब तेजस्वी विदेश में थे। इसे उनकी 'पार्ट टाइम राजनीति' करार देते हुए उन्होंने सवाल किया कि जब छात्रों की समस्याएं सुनी जा चुकी हैं, तो अब बेवजह राजनीति क्यों की जा रही है। संजय झा ने तंज कसते हुए यह भी कहा कि तेजस्वी को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपनी पार्टी की नियंत्रणहीन स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।

पटना में चेन स्नेचिंग गिरोह का पर्दाफाश

चार शातिर अपराधी गिरफ्तार, हथियार और नकदी बरामद

बीएनएम@ पटना : राजधानी पटना में लगातार हो रही चेन स्नेचिंग और लूट की वारदातों पर लगाम कसते हुए अगमकुआं थाना पुलिस और विशेष जांच दल ने संयुक्त कार्रवाई कर गिरोह के चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिल, दो देसी कट्टे, चार कारतूस, 3.13 लाख रुपये नकद और सोने के आभूषण बरामद किए हैं।पिछले कुछ महीनों से अगमकुआं, कंकड़बाग, कदमकुआं और दानापुर समेत कई थाना क्षेत्रों में यह गिरोह सक्रिय था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर फतुहा निवासी अमान अशरफ, सुल्तानगंज निवासी मोहम्मद एहतेशाम और आलमगंज निवासी मो. यूसुफ व बजरंगी को दबोच लिया। नगर पुलिस अधीक्षक पूर्वी शैलजा ने बताया कि आरोपी वारदात में मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल करते थे। पुलिस अन्य सदस्यों और नेटवर्क का पता लगाने के लिए पूछताछ कर रही है।

टीबी मुक्त भारत अभियान शुरू

युवाओं को मिल रहा विशेष प्रशिक्षण

बीएनएम@ समस्तीपुर। युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के 'MY Bharat' समस्तीपुर द्वारा युवा नेतृत्व में टीबी मुक्त भारत अभियान के प्रथम चरण के तहत जिले में विशेष जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य युवाओं को टीबी के प्रति जागरूक कर राष्ट्रीय उन्मूलन अभियान से जोड़ना है।अभियान के तहत 18 से 22 अगस्त तक सदर अस्पताल के जिला टीबी केंद्र में 'एक्सपेरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम' चल रहा है, जिसमें युवाओं को टीबी के लक्षण, जांच, उपचार और बचाव का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही विभूतिपुर, कल्याणपुर, सिंघिया, रोसड़ा और दलसिंहसराय प्रखंडों के पीएचसी/सीएचसी में 'नो टीबी सेशन' (KTS) आयोजित किए जा रहे हैं।प्रशिक्षित युवा अपने क्षेत्रों में जागरूकता फैलाकर समाज से टीबी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करेंगे। यह कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी सुश्री विजेता मजूमदार और जिला टीबी अधिकारी डॉ. विशाल के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है।

अज्ञात युवक का शव मिला, पुलिस जांच में जुटी

बीएनएम@ योगापट्टी : पश्चिम चंपारण के योगापट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत मटकौटा साइफन के समीप मंगलवार को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और तरह-तरह की आशंकाएं जताने लगे।ग्रामीणों की सूचना पर योगापट्टी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया स्थित जीएमसीएच भेज दिया है।योगापट्टी थानाध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों से संपर्क कर शिनाख्त का प्रयास कर रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है कि युवक को आखिरी बार कहां देखा गया था। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की गहराई से जांच कर रही है।

नवविवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

चार माह पहले हुई थी शादी

बीएनएम@ बेतिया: श्रीनगर थाना क्षेत्र के पूजहां पटजीरवा गांव में सोमवार की शाम एक नवविवाहिता नेहा कुमारी (19 वर्ष) का शव उसके ससुराल के कमरे में फंदे से लटका मिला। मृतका की शादी चार महीने पहले 27 अप्रैल 2026 को मिथुन महतो से हुई थी। घटना के बाद से गांव में मातम पसरा हुआ है।सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच, बेतिया भेज दिया। मृतका मूल रूप से पूर्वी चंपारण जिले के गोविंदगंज थाना क्षेत्र के सरेया पिपरा गांव की रहने वाली थी। उसका पति गुजरात में मजदूरी करता है, जबकि ससुराल में उसकी सास रहती थीं। मृतका की मां ने पुलिस को बताया कि इस घटना के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है और दोनों पक्षों में आपसी सहमति है। प्रभारी थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि अभी कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी का विरोध करने पर महिला को किया घायल

सोने की चेन लूटी

बीएनएम@ बेतिया : पूर्णिया जिले के श्रीनगर थाना क्षेत्र के बनरही गांव में सोमवार रात चोरी की नीयत से घुसे बदमाशों ने एक महिला को चाकू मारकर घायल कर दिया और गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। घटना मनसहीद मियां के घर की है।पीड़ित महिला समाप्रवीन खातून (25) ने जब चोरों को पहचानना चाहा, तो उन्होंने चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ में गंभीर चोट आई। लगातार चार दिनों से हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने पुलिस गश्त बढ़ाने और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। प्रभारी थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फरार आरोपित के घर कुर्की-जब्ती

बीएनएम@ समस्तीपुर: समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के चापर गांव (हरैल पंचायत) में मंगलवार को पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के एक फरार आरोपी के घर पर कुर्की-जब्ती की कड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई थाना कांड संख्या 200/26 के नामजद आरोपी महेंद्र पासवान (पिता-स्व. शिवनायक पासवान) के घर पर की गई।बीपीआरओ सह दंडाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि अनुसंधानकर्ता अन्नू सिंह के नेतृत्व में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी, लेकिन वह पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा था। अदालत के आदेश मिलने के बाद पुलिस बल ने आरोपी के घर पर यह कार्रवाई करते हुए घर का घरेलू सामान और एक चौकी जब्त कर ली है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से फरार आरोपियों में हड़कंप मच गया है।

बीरगंज में सजी सुरों की महफिल, राजेश पांडेय के गीतों पर झूमे संगीत प्रेमी

बीएनएम@ रक्सौल/बीरगंज (नेपाल)

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) एवं भारत के महावाणिज्य दूतावास, बीरगंज के संयुक्त तत्वावधान में आदर्शनगर स्थित टाउन हॉल में रविवार की शाम भव्य सुगम संगीत संध्या का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध भारतीय गायक राजेश पांडेय एवं उनके सात सदस्यीय दल ने गीत, गजल, भजन और सूफी संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के महावाणिज्य दूत देवी सहाय मीणा, पर्सा के सांसद हरि पंत, मधेश प्रदेश की प्रांतीय विधानसभा सदस्या वीणा शर्मा तथा गायक राजेश पांडेय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सशस्त्र पुलिस बल, बीरगंज के एसपी मोहन क्षेत्री भी उपस्थित रहे। महावाणिज्य दूत देवी सहाय मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और नेपाल के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सदियों पुराने सामाजिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक रिश्तों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि संगीत और संस्कृति दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का सबसे सहज एवं प्रभावी माध्यम हैं तथा ऐसे आयोजन आपसी आत्मीयता और सांस्कृतिक समझ को और मजबूत करते हैं। राजेश पांडेय एवं उनके दल की प्रस्तुति के दौरान टाउन हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। लोकप्रिय गीतों के साथ गजल, भजन और सूफी रचनाओं ने श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। दर्शकों ने कलाकारों की हर प्रस्तुति का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद रक्सौल के सेवा संयोजक एवं मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ, पूनम सर्राफ, महागढ़ीमाई नगरपालिका के मेयर उपेंद्र यादव, बीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ के अध्यक्ष हरि गौतम, उपाध्यक्ष माधव राजपाल, पिया सिंह, गुड्डी जोशी, प्रसिद्धि आनंद सिंह, अभिषेक चौधरी, राधेश्याम खेतान, जयप्रकाश खेतान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, कला एवं संगीत प्रेमी उपस्थित रहे। भारतीय महावाणिज्य दूतावास के वाणिज्यदूत मनीष दास, अजय जैन, चंदन श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारी भी समारोह में मौजूद रहे। यह सांस्कृतिक संध्या भारत-नेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत और दोनों देशों के बीच जनस्तर की मैत्री का सुंदर उदाहरण बन गई।

मारपीट के वायरल वीडियो मामले में दोनों पक्षों की प्राथमिकी

दोनों पक्षों से 16 नामजद

बीएनएम@ समस्तीपुर

समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के करीमनगर पंचायत (वार्ड-7) में मारपीट का एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस मामले में कुल 16 लोगों को नामजद किया गया है। थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि संतोष कुमार रजक के आवेदन पर दर्ज कांड संख्या 233/26 में दिनेश पोद्दार, विंदेश्वर पोद्दार और सावित्री देवी समेत 12 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें आरोप है कि शिक्षिका पत्नी के साथ लौट रहे संतोष के साथ मारपीट की गई। वहीं, दूसरे पक्ष से आरती देवी के आवेदन पर दर्ज कांड संख्या 236/26 में संतोष रजक, बबीता देवी और आदित्य रजक समेत अन्य पर घर पर हमला कर गाली-गलौज, मारपीट करने और 3.51 लाख रुपये छीनने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच एसआई रामकुमार को सौंप दी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई व गिरफ्तारी की बात कही है।

बगहा: गंडक नदी का भीषण कटाव, प्राथमिक विद्यालय के चार कमरे विलीन

एसडीएम और पूर्व एमएलसी, लिया कटाव स्थल का जायजा

» पैक्स गोदाम पर भी मंडराया खतरा

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड के चिउरही पंचायत के रेवहिया गांव में गंडक नदी का कटाव भयंकर रूप ले चुका है। मंगलवार की दोपहर तक राजकीय प्राथमिक विद्यालय चिउरही उर्दही उर्दू स्कूल के पांच में से चार कमरे नदी की तेज धारा में विलीन हो गए। कटाव की रफ्तार इतनी तेज है कि स्कूल का शेष हिस्सा भी कभी भी नदी में समा सकता है।स्कूल के नदी में समाने की सूचना मिलते ही बगहा अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) चांदनी कुमारी ने तुरंत कटाव स्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद ग्रामीणों से पूरी जानकारी ली और प्रभावित परिवारों की मुश्किलों को समझा। वहीं, जदयू के पूर्व एमएलसी भीष्म सहनी भी घटनास्थल पर पहुंचे और कटाव पीड़ितों से मिलकर उन्हें हरसंभव मदद दिलाने का भरोसा दिया।मधुबनी के अंचलाधिकारी (सीओ) नंदलाल राम ने बताया कि अब तक कुल 109 घर नदी में विलीन हो चुके हैं। प्रशासन द्वारा कटाव से प्रभावित लोगों को बसाने के लिए सुरक्षित स्थान पर जमीन चिन्हित की जा रही है, जहां उन्हें विस्थापित किया जाएगा। पीड़ितों की मदद के लिए फिलहाल प्लास्टिक शीट का वितरण कर दिया गया है तथा उनके लिए राशन की भी व्यवस्था की जा रही है।स्कूल के अस्तित्व खत्म होने के बाद अब नदी का खतरनाक रुख पास स्थित पैक्स गोदाम की ओर हो गया है। मंडराते खतरे को देखते हुए पैक्स गोदाम को खुद ही तोड़ा जा रहा है, ताकि वहां की ईंटें और छत पर लगे एस्बेस्टस (एल्वेस्टर) को सुरक्षित बचाया जा सके। इस लगातार कटाव से ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है।

आरजेडी ने एनडीए के 15 नेताओं की सूची जारी कर मांगा जवाब

» एनडीए की प्रतिक्रिया पर टिकी नजरें

बीएनएम@ पटना

बिहार की राजनीति में 'परिवारवाद' का मुद्दा एक बार फिर केंद्र बिंदु में आ गया है। मंगलवार को विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने सत्तारूढ़ एनडीए पर जोरदार हमला बोलते हुए 15 नेताओं की एक सूची जारी की और बीजेपी से तीखे सवाल किए। आरजेडी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए इन नेताओं को 'परिवारवादी' करार दिया और भाजपा के कथित दोहरे मापदंडों पर सवाल उठाया।आरजेडी द्वारा जारी सूची में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, अशोक चौधरी, संतोष कुमार सुमन, श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह, विजय कुमार चौधरी, निशांत कुमार, नीतीश मिश्रा, संजय सिंह 'टाइगर', रमा निषाद, शैलेश कुमार, बुलो मंडल, सुनील कुमार, शीला मंडल और दीपक प्रकाश जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। पार्टी का तर्क है कि भाजपा और जेडीयू लंबे समय से लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर वंशवाद का आरोप लगाते रहे हैं, जबकि एनडीए में खुद ऐसे अनेक नेता हैं जिनका राजनीतिक परिवारों से गहरा संबंध है।आरजेडी ने तंज कसते हुए कहा कि इन नेताओं को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर बैठाया गया है, जो एनडीए की कथनी और करनी में अंतर को दर्शाता है। पोस्ट के अंत में आरजेडी ने सीधे तौर पर भाजपा को चुनौती देते हुए लिखा, "जवाब दो भाजपाइयों।" इस सूची के सार्वजनिक होने के बाद राज्य में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में एनडीए की ओर से इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा, जिससे राज्य की सियासी गर्माहट और अधिक बढ़ने की संभावना है।

बीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ ने डीएसपी विकास अधिकारी व निरीक्षक उत्तर वाईबा को 'बेस्ट इंटिग्रिटी अवार्ड–2026' से किया सम्मानित

बीएनएम@ रक्सौल/बीरगंज (नेपाल)

सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल के प्रहरी नायब उपरीक्षक (डीएसपी) विकास अधिकारी तथा सशस्त्र प्रहरी निरीक्षक उत्तर वाईबा को उत्कृष्ट ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के लिए 'बेस्ट इंटिग्रिटी अवार्ड–2026' से सम्मानित किया गया। वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ द्वारा स्वर्गीय सशस्त्र प्रहरी उपरीक्षक सुमन थपलिया की स्मृति में स्थापित इस पुरस्कार के तहत दोनों अधिकारियों को 25 हजार नेपाली रुपये की नकद राशि एवं सम्मान-पत्र प्रदान किया गया। वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ एवं सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल नंबर–13 गण मुख्यालय, पर्सा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल नंबर–2 छिन्नमस्ता वाहिनी के वाहिनीपति सशस्त्र प्रहरी नायब महानिरीक्षक विष्णुप्रसाद भट्ट तथा संघ के अध्यक्ष हरि गौतम ने दोनों अधिकारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष हरि गौतम ने कहा कि स्वर्गीय सुमन थपलिया ने सुरक्षा सेवा में अनुकरणीय योगदान दिया था। उनकी स्मृति और राष्ट्रसेवा के प्रति उनके समर्पण को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से इस पुरस्कार की शुरुआत की गई है। उन्होंने निजी क्षेत्र और सुरक्षा निकायों के बीच सहयोग एवं विश्वास को और मजबूत करने पर बल दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नायब महानिरीक्षक विष्णुप्रसाद भट्ट ने कहा कि सशस्त्र प्रहरी बल सीमा सुरक्षा के साथ-साथ आपदा प्रबंधन, राहत एवं बचाव तथा नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी प्रभावी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों और निजी क्षेत्र के बीच समन्वय से देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को भी गति मिलेगी। समापन सत्र में सशस्त्र प्रहरी उपरीक्षक मोहनबहादुर क्षेत्री ने संगठन के मूल्यों, अनुशासन और ईमानदारी को आत्मसात करते हुए कर्तव्यों के निर्वहन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'बेस्ट इंटिग्रिटी अवार्ड' से कर्मचारियों में जिम्मेदारी और सकारात्मक कार्यसंस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि स्वर्गीय सशस्त्र प्रहरी उपरीक्षक सुमन थपलिया का वर्ष 2023 में पर्सा स्थित नंबर–13 गण मुख्यालय में कार्यरत रहने के दौरान निधन हो गया था। उनकी स्मृति में स्थापित यह पुरस्कार सुरक्षा सेवा में उत्कृष्ट नैतिक मूल्यों को सम्मानित करने का प्रतीक बन चुका है। समारोह में वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ के महासचिव शिवजीप्रसाद साह, सहसचिव नरेश टिवडेवाल, प्रमुख प्रशासनिक अधिकृत मनोज उपाध्याय, नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ मधेश प्रदेश के उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, पत्रकार प्रणय कुमार सहित सशस्त्र प्रहरी, पुलिस एवं संचार जगत के अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

अभाविप समस्तीपुर नगर इकाई की बैठक संपन

35 हजार छात्रों को जोड़ने का लक्ष्य

बीएनएम@ समस्तीपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) समस्तीपुर नगर इकाई की बैठक मंगलवार को विद्यार्थी परिषद कार्यालय में नगर मंत्री विनीत कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के सदस्यता अभियान को तेज करने और सावन के अंतिम सोमवार पर लगने वाले कावड़िया सेवा शिविर की सफलता के लिए विस्तृत रणनीति बनाई गई।बैठक को संबोधित करते हुए प्रांत सहमंत्री अनुपम कुमार झा ने कहा कि सदस्यता अभियान युवाओं को राष्ट्रहित से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। संगठन ने इस वर्ष 35 हजार विद्यार्थियों को सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसे पूरा करने के लिए कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं। प्रांत सह छात्रा प्रमुख शालू कुमारी ने संगठनात्मक गतिविधियों और सदस्यता में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।वहीं, सेवार्थ विद्यार्थी के जिला संयोजक शुभम कुमार और प्रांत कार्यकारिणी सदस्य निक्कू आर्या ने बताया कि सावन के अंतिम सोमवार को कावड़ियों की सेवा के लिए शिविर लगाया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए भोजन, फल, दवा और जूस जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बैठक में विनीत कुमार, प्रिंस कुमार, गोलू कुमार, शशांक कुमार, रंजन कुमार, विकास कुमार, निखिल सिन्हा और मनीष कुमार समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' के लिए जागरूकता अभियान शुरू

बीएनएम@ समस्तीपुर

बिजली बिल सुधार हेतु विशेष शिविर का भी आयोजन

समस्तीपुर में 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से मंगलवार को जिलाधिकारी ने जागरूकता रैली और प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की। इस योजना के तहत 3 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने पर केंद्र सरकार अधिकतम 78,000 रुपये की सब्सिडी दे रही है। साथ ही, बिहार सरकार द्वारा प्रति किलोवाट 10,000 रुपये, यानी अधिकतम 20,000 रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा है। कुल मिलाकर उपभोक्ताओं को संयंत्र स्थापना के लिए लगभग 98,000 रुपये तक की आर्थिक सहायता मिल सकती है। यह योजना 31 मार्च 2027 तक प्रभावी है।इसके अतिरिक्त, ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार जिले में 17 से 22 अगस्त 2026 तक विद्युत विपत्र (बिजली बिल) सुधार का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान सभी प्रखंडों, अवर प्रमंडल और सेक्शनकार्यालयों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उपभोक्ता बिजली बिल में त्रुटि, गलत मीटर रीडिंग या अधिक बिल आने जैसी समस्याओं के समाधान के लिए इन शिविरों में आवेदन कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समयबद्ध तरीके से इन दोनों योजनाओं और विशेष अभियान का लाभ उठाएं ताकि उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

इंडोनेशिया में विनाशकारी भूकंप

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा (एनटीटी) प्रांत में शनिवार तड़के आए 7.7 तीव्रता के भीषण भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है, जबकि सैकड़ों लोग घायल हैं। प्रभावित इलाकों से रविवार तक 12,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

बीएनपीबी के प्रमुख सुहारयांतो ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। दूरदराज और दुर्गम इलाकों (जैसे सिका रीजेंसी का पालेउ द्वीप) तक राहत सामग्री पहुंचाने और घायलों को निकालने के लिए थल, जल और 11 विमानों व हेलीकॉप्टरों समेत हवाई साधनों को तैनात किया गया है। भूकंप के कारण मंगगराई क्षेत्रीय अस्पताल को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे स्थानीय स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। स्थिति से निपटने के लिए गोलो दुकाल स्टेडियम में एक अस्थायी 'फील्ड अस्पताल' तैयार किया जा रहा है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस आपदा में 914 घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं, जबकि 126 मकानों को मध्यम और 317 को मामूली नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 93 शैक्षणिक संस्थान, 36 स्वास्थ्य केंद्र और 38 सरकारी कार्यालय भी प्रभावित हुए हैं। प्रांतीय गवर्नर मेल्की लाका लेना के अनुसार, भूस्खलन और मलबे के कारण कई मुख्य सड़कें बंद हो गई हैं तथा उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। प्रांतीय सरकार ने तेजी से राहत, निकासी, सहायता वितरण और पुनर्वास कार्यों को संचालित करने के लिए 15 से 28 अगस्त तक 14 दिनों के आपातकाल की घोषणा की है। मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र नगेकेओ रीजेंसी के म्बाय शहर से 30 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में 15 किलोमीटर की गहराई पर था। शुरुआत में जारी सुनामी चेतावनी को बाद में वापस ले लिया गया था, हालांकि प्रभावित क्षेत्रों में अभी भी लगातार झटके महसूस किए जा रहे हैं। बचाव दल फिलहाल मलबे में तलाश और नुकसान के सटीक आकलन में जुटे हैं।

योजनाओं की भरमार, फिर भी बैगा बच्चों की मौत क्यों

राज कुमार सिन्हा

मध्यप्रदेश देश के सबसे बड़े आदिवासी राज्यों में है। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की लगभग 21.09 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति से आती है। राज्य की बड़ी आदिवासी आबादी ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहती है, जहां गरीबी, रोजगार की अस्थिरता, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की समस्या आज भी गंभीर है। ऐसे में बालाघाट जिले के बैगा बहुल इलाकों से अगस्त 2026 में बच्चों की लगातार मौतों की खबर केवल एक स्थानीय स्वास्थ्य घटना नहीं है। यह मध्यप्रदेश की आदिवासी स्वास्थ्य और पोषण नीतियों की जमीनी सफलता पर बड़ा सवाल है।

बिरसा विकासखंड के कोण्डेकसा, बोंदारी, मछुल्दा, कोरका और आसपास के बैगा बहुल गांवों में बुखार तथा अन्य गंभीर लक्षणों के बाद बच्चों की मौत की खबर सामने आई है। सरकारी स्तर पर मृत बच्चों की संख्या आठ बताई गई है, जबकि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने 19 बच्चोंकी मौत का आरोप लगाया है। इसलिए अंतिम मृत्यु संख्या और बीमारी के कारणों का निर्धारण स्वतंत्र चिकित्सकीय जांच के बाद ही किया जाना चाहिए। कुछ रिपोर्टों में बुखार, चकत्ते तथा कुछ मामलों में किडनी से संबंधित गंभीर लक्षणों का उल्लेख है। लेकिन एक बात इससे अलग और कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि इन मौतों को केवल किसी एक संक्रामक बीमारी या अचानक फैली महामारी के रूप में देखकर मामला समाप्त नहीं किया जा सकता है। यदि बच्चे पहले से कुपोषित, एनीमिया से पीड़ित अथवा कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले हैं, तो सामान्य संक्रमण भी उनके लिए जानलेवा बन सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार मध्यप्रदेश में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 35.7 प्रतिशत बौनापन, 19 प्रतिशत दुर्बलता, 33 प्रतिशत कम वजन और 6.5 प्रतिशत गंभीर दुर्बलता दर्ज की गई थी। लेकिन आदिवासी बच्चों की स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही है। जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -5 आधारित आंकड़े बताते हैं कि देश में पांच वर्ष से कम उम्र के अनुसूचित जनजाति के बच्चों में बौनापन लगभग 40.9 प्रतिशत था। इसका अर्थ है कि आदिवासी बच्चों का पोषण संकट सामान्य आबादी के संकट से अलग और अधिक गंभीर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ है। बालाघाट के बैगा समुदाय पर हुए वैज्ञानिक अध्ययन इस संकट की स्थानीय तस्वीर और स्पष्ट करता है। बैरहर, बालाघाट में 436 परिवारों के 1,197 लोगों पर किए गए सामुदायिक अध्ययन में पाया गया कि पूर्व-स्कूली बैगा बच्चों में दुर्बलता 42.3 प्रतिशत थी, जबकि उसी संदर्भ में ग्रामीण मध्यप्रदेश के बच्चों में यह लगभग 23.8 प्रतिशत थी। वयस्कों में भी क्रोनिक एनर्जी डिफीसिएन्सी अत्यधिक थी,पुरुषों में 55.8 प्रतिशत और महिलाओं में 62.9 प्रतिशत। अध्ययन में अनाज और मोटे अनाज के अलावा अन्य खाद्य पदार्थों तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों का सेवन अनुशंसित मात्रा से कम पाया गया। इससे स्पष्ट है कि बैगा समुदाय का कुपोषण कोई नई घटना नहीं है। वैज्ञानिक अध्ययन वर्षों पहले चेतावनी दे चुके हैं कि पोषण संबंधी योजनाओं के बावजूद समस्या गंभीर बनी हुई है। बैगा बच्चों के मामले में कुपोषण को केवल इस आधार पर नहीं समझा जा सकता है कि परिवार को पर्याप्त अनाज मिला या नहीं। यदि बच्चे को चावल, मक्का अथवा अन्य अनाज पर्याप्त मात्रा में मिल भी जाए, लेकिन उसके भोजन में दाल, दूध, तेल, अंडा, फल, हरी सब्जियां और पशु-आधारित प्रोटीन की पर्याप्त उपलब्धता न हो तो वह कैलोरी तो प्राप्त कर सकता है, लेकिन उसका शरीर आवश्यक प्रोटीन, आयरन, विटामिन और अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट से वंचित रह सकता है। यही वह बिंदु है जहां सरकारी पोषण नीति की परीक्षा होती है। 2019 के एक अध्ययन ने बालाघाट के बैगा बच्चों के कुपोषण के सामाजिक कारणों की पड़ताल करते हुए पाया कि गरीबी, सार्वजनिक सेवाओं से असंतोष, सरकारी कर्मचारियों की उदासीनता और सेवाओं का कम उपयोग समस्या को बढ़ाते हैं। शोधकर्ताओं ने केवल पोषण पूरक देने के बजाय समग्र दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत बताई थी। अर्थात समस्या बच्चे की थाली से शुरू होकर स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी, स्कूल, सड़क, रोजगार, पानी और सरकारी तंत्र तक जाती है। विडंबना यह है कि मध्यप्रदेश में बैगा सहित विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए योजनाओं की कमी नहीं है। राज्य की आहार अनुदान योजना 2017 से बैगा, भारिया और सहरिया जैसे विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों को कुपोषण से मुक्ति के उद्देश्य से संचालित है। सरकारी पोर्टल पर भी इसका घोषित उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को कुपोषण से मुक्त करना बताया गया है। इसके अलावा आंगनवाड़ी और समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस), पोषण अभियान, पोषण पुनर्वास केंद्र, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, आयरन-फोलिक एसिड, टीकाकरण और अन्य योजनाएं चल रही हैं। सबसे महत्वपूर्ण नीतिगत पहल प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) है। मध्यप्रदेश में बैगा, भारिया और सहरिया को पीवीटीजी के रूप में लक्षित करते हुए इसका उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, आवास, स्वच्छ पेयजल, सड़क, बिजली, दूरसंचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करना है। बालाघाट भी पीएम-जनमन के दायरे में आने वाले जिलों में शामिल है। यानी नीति के स्तर पर सरकार स्वयं स्वीकार कर चुकी है कि पीवीटीजी समुदायों की समस्या केवल राशन या स्वास्थ्य शिविर की नहीं बल्कि बहुआयामी वंचना की समस्या है। बालाघाट की वर्तमान स्थिति इसी सवाल को सामने खड़ा करती है। यदि किसी बैगा बस्ती में बच्चा गंभीर कुपोषण से गुजर रहा है, परिवार को नियमित पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं है, पीने का पानी सुरक्षित नहीं है, स्वास्थ्य केंद्र कई किलोमीटर दूर है, परिवहन उपलब्ध नहीं है और बीमारी की स्थिति में अस्पताल पहुंचने में देर होती है, तो केवल आहार अनुदान या आंगनवाड़ी की मौजूदगी पर्याप्त नहीं होगी। पीएम-जनमन की मूल भावना भी यही है कि पीवीटीजी परिवारों को केवल योजना का लाभार्थी नहीं बल्कि बुनियादी अधिकारों से वंचित नागरिक के रूप में देखा जाए। सरकार ने पीवीटीजी बस्तियों के लिए आवास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और आजीविका को एक साथ जोड़ने का निर्णय लिया है। लेकिन बालाघाट की घटना यह पूछने को मजबूर करती है कि क्या योजनाओं की सूची लंबी होना और उनका वास्तविक लाभ अंतिम परिवार तक पहुंचना एक ही बात है? वर्तमान मौतों के बाद केवल स्वास्थ्य शिविर लगाना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे पहले पिछले दो-तीन महीनों में बैगा बहुल गांवों में हुई सभी बाल मृत्यु का स्वतंत्र मेडिकल ऑडिट होना चाहिए। प्रत्येक बच्चे की मृत्यु के कारण, बीमारी की अवधि, उपचार कहां मिला, अस्पताल तक पहुंचने में कितना समय लगा, पोषण स्थिति क्या थी, हीमोग्लोबिन कितना था, टीकाकरण की स्थिति क्या थी और परिवार को आंगनवाड़ी तथा स्वास्थ्य सेवाएं कितनी नियमित मिलीं, इन सभी बिंदुओं की जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही प्रत्येक बैगा बस्ती में मासिक बाल स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली बनाई जानी चाहिए। इसमें केवल वजन और ऊंचाई नहीं, बल्कि हीमोग्लोबिन और एनीमिया, गंभीर कुपोषण,संक्रमण, दस्त और बुखार, टीकाकरण, पानी और स्वच्छता, भोजन की विविधता, मातृ पोषण, तथा स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंच का नियमित रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार के सामने अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल बजट या नई योजना घोषित करने का नहीं, बल्कि मौजूदा योजनाओं की डिलीवरी और जवाबदेही का है। आहार अनुदान योजना यदि कुपोषण समाप्त करने के उद्देश्य से चल रही है तो सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए कि बालाघाट के बैगा परिवारों में कितने पात्र परिवारों को इसका नियमित लाभ मिल रहा है। पीएम-जनमन यदि स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करने के लिए है तो बैगा बस्तियों में कितने स्वास्थ्य उपकेंद्र, सड़क, पेयजल, आवास और आजीविका संबंधी कार्य वास्तव में पूरे हुए हैं, इसकी ग्रामवार जानकारी सामने आनी चाहिए।

इसी तरह आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार की नियमितता, गुणवत्ता और वास्तविक उपस्थिति का सामाजिक ऑडिट होना चाहिए। सरकारी योजनाओं की सफलता का पैमाना यह नहीं होना चाहिए कि कितने करोड़ रुपये खर्च हुए या कितने हितग्राहियों के खाते में पैसा भेजा गया। असली पैमाना यह है कि बैगा बस्ती का बच्चा स्वस्थ है या नहीं। मृत्यु की संख्या को लेकर सरकारी और विपक्षी दावों में अंतर है। बीमारी के कारण को लेकर भी अभी अंतिम निष्कर्ष नहीं आया है। इसलिए राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय स्वतंत्र चिकित्सकीय जांच जरूरी है। राज्य सरकार को विशेषज्ञ चिकित्सकों, बाल रोग विशेषज्ञों, महामारी विशेषज्ञों, पोषण विशेषज्ञों और जनजातीय स्वास्थ्य पर काम करने वाले स्वतंत्र संस्थानों की संयुक्त टीम बनानी चाहिए। यह जांच केवल वर्तमान मौतों तक सीमित न हो। पिछले वर्षों में बैगा बहुल क्षेत्रों में बाल मृत्यु, कुपोषण, एनीमिया, मातृ मृत्यु और संक्रामक रोगों के आंकड़ों का भी अध्ययन किया जाए। यदि किसी बीमारी का प्रकोप है तो उसका तत्काल पता लगना जरूरी है। लेकिन यदि मौतों के पीछे कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की संरचनात्मक कमजोरी भी है तो उसे स्वीकार करना और सुधारना उससे भी ज्यादा जरूरी है। मध्यप्रदेश में आदिवासी कल्याण की नीति लंबे समय से अनेक योजनाओं में विभाजित रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ईरान के चक्रव्यूह में फंसे ट्रंप

तनवीर जाफ़री

पूरे विश्व की निगाहें इस समय अमेरिका -ईरान के मध्य चल रहे तनावपूर्ण हालात पर लगी हुई है। इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने अपने छल से राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से एक ऐसे युद्ध में उलझा दिया है जिससे ट्रंप के लिये बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। विश्व इतिहास में यह पहला मौक़ा है जबकि ईरान जैसा देश प्रत्येक मोर्चों पर अमेरिका को बराबर की चुनौती दे रहा है। नतीजतन ट्रंप के ग़लत फ़ैसलों से अब अमेरिकी सेना के जवान भी ऊब चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना के एक परमाणु ऊर्जा संचालित सुपर-कैरियर विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन CVN-72 को लेकर एक ऐसी ख़बर आई जिसने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया। यह युद्धपोत 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो, कैलिफ़ोर्निया से अपनी निर्धारित यात्रा पर निकला था। शुरुआत में इसे प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाना था, लेकिन जनवरी 2026 में इस्राईल -अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद इसे अचानक पश्चिम एशिया/अरब सागर की ओर मोड़ दिया गया। इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन बिताए हैं, जिसमें से क़रीब 200 दिन बिना किसी पोर्ट कॉल अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन की इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई। सैनिकों में पैदा हुये इसी अत्यधिक मानसिक दबाव के चलते कम से कम 6 नौसैनिकों ने युद्धपोत से समुद्र में कूदकर जान देने यानी आत्महत्या करने की कोशिश की, जिन्हें उन्हीं के सैनिक साथियों द्वारा समय रहते बचा लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया में बड़ी चर्चा छिड़ गई है। माइक लेविन जैसे कई अमेरिकी सांसदों और मरीन सैनिकों के परिवारों ने भी यह खुलासा किया कि युद्धपोत पर जीवन नरक जैसा हो गया है। कई हफ़्तों तक जहाज़ पर गर्म पानी नहीं मिलता और टॉयलेट्स व शावर आदि ख़राब हो चुके हैं। लॉन्ड्री सुविधा बंद रहने से सैनिक गंदे कपड़े पहनने को मजबूर हैं। युद्धपोत पर भोजन और ज़रूरी सामानों की भारी कमी हो गई, यहाँ तक कि राशन कम होने पर सैनिकों को भोजन में बेहद कम व सीमित मात्रा दी जा रही है। और तो और युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से बहरीन जैसे अमेरिकी ठिकानों से जहाज तक रसद पहुँचाना भी मुश्किल हो गया है। इस हादसे,अमेरिकी सांसदों के दबाव और परिवारों के आक्रोश के बाद अब अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने घोषणा की है कि युद्धपोत को अब रोटेशन प्लान के तहत वापस बुलाया जा रहा है। मिडिल ईस्ट में इसकी जगह लेने के लिए दूसरे विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को भेजा जा रहा है ताकि थके हुए सैनिकों को राहत मिल सके। परन्तु इस ख़बर ने वर्तमान समय में अमेरिकी सैनिकों की उबावपूर्ण स्थिति तो उजागर कर ही दी है। उधर ईरान की तरफ़ से संभावित ख़तरे के संदेह में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंतिम समय में विमान बदलने से जुड़ी हुई एक हैरतअंगेज़ ख़बर सामने आई। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार पिछले महीने तुर्की में नेटो शिखर सम्मेलन से निकलते समय ट्रंप ने गुपचुप तरीक़े से अपना विमान बदल लिया था। ख़बरों के मुताबिक़ अमेरिकी राष्ट्रपति टेलीविज़न कैमरों की मौजूदगी में एयर फ़ोर्स वन में सवार हुए, फिर उन्हें चुपके से एक ऊंचे एयरपोर्ट कैटरिंग ट्रक में ले जाया गया और एक सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। हालांकि, अब वॉशिंगटन पोस्ट की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने एक बार फिर विमान बदल दिया था। पोस्ट ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप को पुराने एयर फ़ोर्स वन विमान से एक कैटरिंग कंटेनर में बाहर निकाला गया। यह कंटेनर ट्रंप को एक छोटे सी-32ए विमान तक ले गया। इसी विमान से उन्होंने ब्रिटेन के लिए उड़ान भरी। इस दौरान विमान में सवार पत्रकारों और व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों को भी इसकी जानकारी नहीं थी। इससे पहले अंकारा में शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वो ईरान का नंबर वन निशाना हैं। ट्रंप के ईरान से भयभीत होने की एक सबसे बड़ी वजह यह भी है कि जुलाई 2026 में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ईरान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या से जुड़े बेहद आक्रामक पोस्टर, बैनर और नारे खुले आम लगाए गए थे। फ़रवरी 2026 में अमेरिका-इस्राईल के हवाई हमलों में अयातुल्ला ख़ामेनेई व उनके कई परिजन शहीद हो गए थे जिसके बाद हुए उनके विशाल अंतिम संस्कार में ईरानी लोगों में काफ़ी आक्रोश देखा गया। अंतिम संस्कार के दौरान राजधानी तेहरान और ख़ामेनेई के दफ़्न वाले शहर मशहद की सड़कों पर जगह जगह अंग्रेज़ी में KILL TRUMP लिखे बड़े बड़े बैनर और धमकी भरे पोस्टर देखे गये। काले कपड़ों में शामिल महिलाओं और प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेज़ी के बड़े अक्षरों में KILL TRUMP लिखे हुए लाल रंग के प्लेकार्ड उठा रखे थे। कई पोस्टर्स में डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और इस्राईली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों पर बंदूक की दूरबीन का निशाना क्रॉस हेयर बना हुआ था। उन पोस्टरों पर नीचे लिखा था- There will be blood यानी ख़ून बहेगा। इसी तरह तेहरान में एक पुल से ट्रंप का एक विशाल बिलबोर्ड (होर्डिंग) लटकाया गया था, जिस पर उनके सिर पर गोली का निशान बना था और लिखा था अमेरिका ने हमारे पिता को मारा है, हम तुम्हें छोड़ेंगे नहीं! और वहां से गुज़रती आक्रोशित भीड़ उस होर्डिंग पर पत्थर बरसा रही थी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। इस राशि की जो महिलाएं वर्क फ्रॉम होम करती हैं, उनके लिए दिन व्यस्तता से भरा रहेगा, लेकिन शाम का समय आपको सुकून देगा, आप अपनी फैमिली के साथ अच्छा समय बिताएंगी। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थान के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

वृषभ राशिः आज आपका दिन नई ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों की सराहना होगी और सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। लंबे समय से रुका हुआ कोई काम आज पूरा हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। शाम को किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। कारोबार में अचानक धन लाभ की संभावना बन रही है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। व्यापार के सिलसिले में की गई यात्राएं आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी और आय के नए स्रोत बनेंगे। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय को लेने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। परिवार में खुशहाली का माहौल रहेगा। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन काफी पढ़ाई के लिहाज से काफी अच्छा रहेगा।

कर्क राशिः आज आप खुद को मानसिक रूप से काफी मजबूत महसूस करेंगे। रचनात्मक और बौद्धिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी, जिससे समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। सेहत के प्रति थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से किए गए काम में सफलता मिलेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए नई संभावनाएं और अवसर लेकर आएगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, जिससे पदोन्नति के योग बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी और धन लाभ के अवसर मिलेंगे। शाम को जीवनसाथी के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं। अचानक किसी शुभ समाचार से घर का माहौल खुशनुमा बनेगा।

कन्या राशिः आज आप अपने दैनिक कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल रहेंगे। नए व्यापारिक सौदे होने से आपको भविष्य में बड़ा आर्थिक फायदा मिल सकता है। आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा और नए संपर्क बनेंगे। खान-पान का ध्यान रखें और तली-भुनी चीजों से परहेज करें।

तुला राशिः आज आपके पारिवारिक जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। किसी बड़े प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी आपको मिल सकती है, जिसे आप अपनी समझदारी से बखूबी निभाएंगे। पैसों के लेन-देन में थोड़ी सावधानी बरतना आपके हित में रहेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे। अटके हुए सरकारी कामों में आज गति देखने को मिलेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके करियर के लिए काफी प्रगतिशील रहने वाला है। अचानक से धन लाभ के योग बन रहे हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। अपनी सोच को सकारात्मक रखें और नकारात्मक विचारों से दूर रहें। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा और मन शांत रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का फल आज आपको पद और प्रतिष्ठा के रूप में मिलेगा। आय में वृद्धि के नए रास्ते खुलेंगे।

मकर राशिः आज आपको अपनी काबिलियत साबित करने का बेहतरीन मौका मिलेगा। व्यापार में नए सहयोगियों के जुड़ने से आपके व्यवसाय का विस्तार हो सकता है। जीवनसाथी का हर मोड़ पर सहयोग मिलेगा, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की जरूरत है। आज किसी मित्र से खास उपहार मिल सकता है।

कुंभ राशिः आज आपको अपने कामकाज में काफी हद तक सफलता हासिल होगी। आपके निर्णय लेने की क्षमता में सुधार आएगा और सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। दोस्तों के साथ किसी मनोरंजक यात्रा की योजना बन सकती है।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए प्रेम और सौहार्द से भरा रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ा मंच या पहचान मिल सकती है। आर्थिक योजनाओं में निवेश करने के लिए आज का दिन काफी शुभ है। परिवार के सदस्यों का सहयोग आपको हर कदम पर मिलता रहेगा। कानूनी मामलों में फैसला आपके पक्ष में आने की संभावना है।

जब आस्था की भीड़ में कुचल जाता है इंसान

कुमार कृष्णन

सावन का तीसरा सोमवार था। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए लखीसराय के प्रसिद्ध अशोक धाम मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा था। सुबह-सुबह मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते आस्था और उम्मीद से भरे थे। लेकिन कुछ ही क्षणों में वही भीड़ चीख-पुकार में बदल गई। लोग भगवान तक पहुंचने के लिए निकले थे, मौत के मुंह में पहुंच गए।

लखीसराय के इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर, अशोक धाम में सोमवार सुबह हुई भगदड़ ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि हमारे धार्मिक स्थलों पर आस्था की भीड़ के लिए सुरक्षा की तैयारी कितनी गंभीर है। शुरुआती खबरों में मृतकों की संख्या छह और सात बताई गई, जबकि बाद की प्रशासनिक जानकारी में आठ महिला श्रद्धालुओं की मौत और नौ लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने आई। घटना की अंतिम स्थिति आधिकारिक जांच और पुष्टि से ही स्पष्ट होगी। हादसे की वजह को लेकर भी शुरुआती सूचनाओं में अंतर रहा। पहले बिजली के तार या खंभे से करंट लगने की बात सामने आई। बाद में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और एडीएम नीरज कुमार के हवाले से बताया गया कि बिजली आपूर्ति बंद थी और तार ढका हुआ था। अशोक धाम हाल्ट पर एक साथ दो ट्रेनें आने से अचानक भीड़ बढ़ी। कुछ युवकों की भाग-दौड़ के दौरान बिजली का एक खंभा गिर गया। इसके बाद करंट फैलने की अफवाह ने श्रद्धालुओं में दहशत पैदा कर दी। लोग इधर-उधर भागने लगे। बैरिकेडिंग टूट गई और भगदड़ में लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए। यही इस घटना का सबसे भयावह पक्ष है। भगदड़ में हमेशा कोई एक चीज नहीं मारती। कभी अफवाह, कभी संकरी जगह, कभी टूटी बैरिकेडिंग, कभी अचानक बढ़ा दबाव और कभी प्रशासन की तैयारी तथा वास्तविक भीड़ के बीच का अंतर मौत का कारण बन जाता है। सवाल केवल अशोक धाम का नहीं है। सवाल यह है कि जब किसी धार्मिक आयोजन में हजारों लोगों के आने की संभावना पहले से मालूम होती है, तो भीड़ को अचानक आई आपदा की तरह क्यों देखा जाता है? सावन का सोमवार कोई अनजान तारीख नहीं था। अशोक धाम में भारी भीड़ की संभावना पहले से थी। जिलाधिकारी के अनुसार वे रात तीन बजे के बाद से ही मौके पर मौजूद थे। सुबह छह बजे के बाद भीड़ तेजी से बढ़ रही थी। दो ट्रेनों के एक साथ आने से श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ी। इसका अर्थ है कि संकट केवल भगदड़ के क्षण में पैदा नहीं हुआ। संकट धीरे-धीरे बन रहा था। भीड़ बढ़ रही थी, रास्ते भर रहे थे और लोगों का दबाव बढ़ रहा था। फिर एक छोटी-सी घटना हुई और सामूहिक भय ने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया। भीड़ के मनोविज्ञान की यही विडंबना है। एक व्यक्ति दौड़ता है तो वह भाग रहा होता है। सौ लोग दौड़ते हैं तो वह भगदड़ होती है। हजार लोग दौड़ते हैं तो रास्ता नहीं बचता। गिरा हुआ व्यक्ति उठ नहीं पाता, क्योंकि पीछे आने वाले को पता ही नहीं होता कि उसके पैरों के नीचे कोई जिंदगी पड़ी है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिस की संख्या बढ़ाना नहीं है। भीड़ को चलाना, रोकना, मोड़ना, बांटना और सुरक्षित निकालना भी उतना ही जरूरी है। अशोक धाम केवल एक मंदिर नहीं है। यह लखीसराय की धार्मिक चेतना और स्थानीय आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस स्थल का संबंध पाल काल से जुड़ा है। कहा जाता है कि आठवीं शताब्दी में पाल वंश के राजा नारायण पाल के समय यहां शिवलिंग की पूजा होती थी। एक अन्य परंपरा के अनुसार बारहवीं शताब्दी में राजा इंद्रद्युम्न ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। समय के साथ पुराना मंदिर नष्ट हुआ और उसके अवशेष धरती के नीचे दब गए।अशोक धाम की आधुनिक कहानी 7 अप्रैल 1977 से जुड़ती है। स्थानीय परंपरा के अनुसार उस दिन अशोक नाम का एक बालक गिल्ली-डंडा खेल रहा था। खेलते समय उसकी नजर जमीन के नीचे दबे एक विशाल काले पत्थर पर पड़ी। बाद में उसे शिवलिंग माना गया। शिवलिंग इतना विशाल था कि उसे बाहर निकालना संभव नहीं हुआ। उसी बालक के नाम पर यह स्थान अशोक धाम कहलाने लगा।मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य आगे बढ़ा और 11 फरवरी 1993 को जगन्नाथपुरी के शंकराचार्य ने नए मंदिर के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। बाद के वर्षों में श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से मंदिर परिसर का विकास हुआ। आज सावन में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इतिहास और आस्था से जुड़ा यह स्थल अब आधुनिक भीड़ प्रबंधन की बड़ी चुनौती के सामने है। धार्मिक स्थलों की भीड़ का अपना अनुभव है। अजमेर शरीफ दरगाह में एक बार मुझे वीआईपी प्रवेश की सुविधा मिली। एक खादिम ने व्यवस्था कर दी थी और एक युवक चादर चढ़ाने में सहायता के लिए साथ था। फिर भी मुख्य द्वार तक पहुंचने में जिस भीड़ से गुजरना पड़ा, उसने समझा दिया कि वीआईपी प्रवेश भी भीड़ के भय को समाप्त नहीं करता। अंदर मजार पर चादर चढ़ाने की जगह छोटी और बंद थी। लगभग दो मिनट का वह समय बेहद परेशान करने वाला था। मेरी पोती भीड़ देखकर डर गई और रोने लगी। तब समझ आया कि धार्मिक आस्था व्यक्ति को भीतर से मजबूत करती है, लेकिन भीड़ का दबाव उम्र, शरीर और आस्था नहीं देखता।इसीलिए मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि बड़े धार्मिक आयोजनों में बच्चों, बीमारों और बहुत बुजुर्ग लोगों को अत्यधिक भीड़ से बचना चाहिए। युवा और शारीरिक रूप से सक्षम लोग जाएं, लेकिन भीड़ की प्रकृति और निकासी के रास्तों का ध्यान रखें। यह आस्था पर टिप्पणी नहीं, भीड़ के व्यवहार की व्यावहारिक समझ है। खाटू श्याम से लेकर वैष्णो देवी, अजमेर, काशी, उज्जैन, जगन्नाथ पुरी और कुंभ-महाकुंभ तक, जहां आस्था का समुद्र उमड़ता है, वहां सुरक्षा भी उसी अनुपात में मजबूत होनी चाहिए। भारत का इतिहास ऐसी त्रासदियों से भरा पड़ा है। 1954 के प्रयाग कुंभ की भगदड़ देश की सबसे भयावह धार्मिक भीड़ त्रासदियों में गिनी जाती है। 2005 में महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में तीन सौ से अधिक लोगों की मौत हुई। 2008 में जोधपुर के चामुंडा देवी मंदिर में दो सौ से अधिक लोग मारे गए। 2010 में प्रतापगढ़ के मनगढ़ आश्रम में 63 लोगों की मौत हुई। 2011 में सबरीमाला के पास पुलमेडु में सौ से अधिक श्रद्धालुओं की जान गई। 2015 में राजमुंदरी के गोदावरी पुष्करम में 27 लोगों की मौत हुई और उसी वर्ष देवघर के बैद्यनाथ धाम में भगदड़ में 11 श्रद्धालु मारे गए। ये केवल आंकड़े नहीं हैं। हर संख्या के पीछे एक परिवार है। किसी की मां, पत्नी, बेटी या पिता है। सवाल इसलिए यह नहीं होना चाहिए कि हादसा हुआ तो किसे दोष दें। सवाल यह होना चाहिए कि हादसा होने की स्थिति पैदा ही क्यों हुई? अशोक धाम की घटना में अफवाह की भूमिका महत्वपूर्ण है। खंभा गिरा, लोगों ने करंट की आशंका समझी, डर फैला, लोग भागे, बैरिकेडिंग टूटी और लोग गिरते चले गए। इसलिए बड़े धार्मिक आयोजनों में केवल भजन और सामान्य घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। अफवाह के मुकाबले सूचना की गति अधिक होनी चाहिए। किसी खंभे के गिरने पर तुरंत बताया जाए कि बिजली बंद है या चालू, लोगों को भागने के बजाय शांत रहने की सलाह दी जाए और वैकल्पिक रास्ते बताए जाएं। घबराई भीड़ को डंडे से नहीं, स्पष्ट सूचना और भरोसे से नियंत्रित किया जा सकता है। धार्मिक आयोजनों की जिम्मेदारी केवल मंदिर प्रशासन की नहीं हो सकती। मंदिर प्रबंधन, जिला प्रशासन, पुलिस, रेलवे, बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय निकायों को एक साझा सुरक्षा योजना बनानी होगी। अशोक धाम में दो ट्रेनों के एक साथ आने से भीड़ बढ़ी तो रेलवे स्टेशन से मंदिर तक का रास्ता भी सुरक्षा योजना का हिस्सा होना चाहिए था। धार्मिक स्थल का सुरक्षा नक्शा केवल प्रवेश द्वार तक सीमित नहीं होना चाहिए। उसमें निकास द्वार, आपातकालीन मार्ग, चिकित्सा केंद्र, एंबुलेंस की पहुंच, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा और खुले सुरक्षित क्षेत्र शामिल होने चाहिए। प्रशासन को यह भी तय करना होगा कि किसी स्थान की सुरक्षित क्षमता कितनी है। क्षमता से अधिक भीड़ को भीतर जाने देना आस्था का सम्मान नहीं, जीवन को जोखिम में डालना है। भगवान के दर्शन के लिए जीवन को जोखिम में क्यों डालें? यह सवाल धार्मिक नहीं, मानवीय है। भगवान कहीं भागे नहीं जा रहे। दर्शन कुछ देर से होगा तो धर्म समाप्त नहीं होगा। लेकिन एक बार किसी मां की सांस रुक गई, किसी बेटी की चीख निकल गई, किसी परिवार का सदस्य चला गया, तो कोई पूजा उसे वापस नहीं ला सकती। आस्था में धैर्य होना चाहिए, प्रशासन में दूरदृष्टि, आयोजन में अनुशासन और श्रद्धालुओं में यह समझ कि भीड़ में अपनी गति नहीं, सामूहिक सुरक्षा महत्वपूर्ण है।

हर हादसे के बाद शोक, मुआवजा और जांच की घोषणा होती है। फिर कुछ दिनों बाद सब सामान्य हो जाता है। लेकिन सामान्य होना पर्याप्त नहीं है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हॉकी विश्व कप : भारत-पाकिस्तान की टक्कर कल, सेमीफाइनल की दौड़ में भारतीय टीम को ड्रॉ भी काफी

एजेंसी, एम्सटेलवीन

विश्व हॉकी की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विता भारत और पाकिस्तान एक बार फिर आमने-सामने होंगे। 19 अगस्त को होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के पूल-डी के इस अहम मुकाबले में दोनों टीमों के लिए दांव बेहद बड़ा है। भारत को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए कम से कम ड्रॉ की जरूरत है, जबकि पाकिस्तान को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। वागेनर हॉकी स्टेडियम में होने वाला यह मुकाबला सिर्फ दो चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच प्रतिष्ठा की जंग नहीं, बल्कि दोनों टीमों के विश्व कप अभियान का फैसला करने वाला मुकाबला भी है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत वेल्स के खिलाफ 3-1 की जीत से की थी, लेकिन दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड से 2-4 से हार गया। भारत तीन अंकों के साथ पूल-डी में दूसरे स्थान

पर है। वहीं पाकिस्तान ने वेल्स के खिलाफ ड्रॉ खेलकर एक अंक हासिल किया और फिर इंग्लैंड के खिलाफ 1-4 से हार झेली। विश्व कप के प्रारूप के अनुसार, चारों पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी, जबकि निचले दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को वर्गीकरण मुकाबले खेलने होंगे। इंग्लैंड अपने दोनों मुकाबले जीतकर शीर्ष दो में स्थान पक्का कर चुका है। ऐसे में दूसरे स्थान के लिए भारत और पाकिस्तान के अलावा वेल्स भी दौड़ में है। भारत को कम से कम ड्रॉ से दूसरा स्थान मिल जाएगा, जबकि पाकिस्तान और वेल्स को अपनी उम्मीदें कायम रखने के लिए जीत दर्ज करना जरूरी है। हाल के वर्षों में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली रहा है। 2016 के दक्षिण एशियाई खेलों के फाइनल के बाद दोनों टीमें 19 बार आमने-सामने आई हैं, जिसमें भारत ने 17 मुकाबले जीते हैं और दो मैच ड्रॉ रहे हैं। यानी पाकिस्तान पिछले एक दशक से भारत को नहीं हरा पाया है। हालांकि, भारतीय मुख्य कोच क्रेग फुल्टन इस मुकाबले में इतिहास के बजाय वर्तमान पर ध्यान देना चाहते हैं। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "हमेशा प्रतिद्वंद्विता रहती है और यह कभी खत्म नहीं होती। भारतीय टीम के गौरवान्वित कोच के तौर पर जब भी आप पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हैं तो हर बार जीतना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है।" फुल्टन ने कहा, "साथ ही, पाकिस्तान अपने कोचिंग ढांचे में थोड़ा ज्यादा निवेश कर रहा है और अपनी दीर्घकालिक योजना में सुधार करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन हमें अपनी शैली के अनुसार खेलते रहना होगा, यह सुनिश्चित करना होगा कि हम मौकों का फायदा उठाएं और उन्हें कोई आसान मौका न दें, क्योंकि वे कुछ भी नहीं से गोल बनाने की क्षमता रखते हैं।"

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार-2025 की घोषणा, 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार, पांच कोच को मिलेगा द्रोणाचार्य सम्मान

एजेंसी, नई दिल्ली

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार-2025 की घोषणा कर दी है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने विभिन्न श्रेणियों में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और संस्थाओं को पुरस्कार देने का निर्णय लिया है। खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन को पहचान देने और खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा खेल संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए हर वर्ष राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार उन

खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने पिछले चार वर्षों की अवधि में अच्छा प्रदर्शन किया हो तथा नेतृत्व, खेल भावना और अनुशासन के गुणों का प्रदर्शन किया हो। अर्जुन पुरस्कार के लिए बैडमिंटन में ट्रीसा जॉली और पल्लेला गायत्री गोपीचंद, मुक्केबाजी में नरेंद्र, शतरंज में विदित संतोष गुजराती और दिव्या जितेंद्र देशमुख, बधिर निशानेबाजी में धनुष श्रीकांत, हॉकी में लालरेमसियामी और राजकुमार पाल, कबड्डी में सुरजीत और पूजा, पैरा निशानेबाजी में रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा एथलेटिक्स में एकता भ्याण, रोइंग में अरविंद सिंह और निशानेबाजी में अखिल श्योराण का चयन किया गया है। खेल एवं खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) उन खिलाड़ियों को सम्मानित और प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने प्रदर्शन के माध्यम से खेलों में योगदान दिया है और सक्रिय खेल करियर से संन्यास लेने के बाद भी खेलों के प्रोत्साहन में योगदान जारी रखा है। इस श्रेणी में फुटबॉल के श्री आई. अरुमैनायगम को अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) के लिए चुना गया है। खेल एवं खेलकूद में उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार उन प्रशिक्षकों को दिया जाता है, जिन्होंने लगातार उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य किया है तथा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम बनाया है। नियमित श्रेणी में एथलेटिक्स के परवीर सिंह, मुक्केबाजी के शछोटे लाल यादव और निशानेबाजी की नेहा नंदकुमार चव्हाण को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया है। लाइफटाइम श्रेणी में मुक्केबाजी के धर्मेंद्र सिंह यादव और कुश्ती के वीरेंद्र कुमार को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

सिनसिनाटी ओपनः ज्वेरेव ने अटमाने को हराकर चौथे दौर में बनाई जगह

एजेंसी, सिनसिनाटी । जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने कड़े मुकाबले में सोमवार को फ्रांस के टेरेन्स अटमाने को 7-6(4), 7-6(8) से हराया। दूसरे सेट के टाईब्रेक में ज्वेरेव के पास 6-4 के स्कोर पर दो मैच प्वाइंट थे। अटमाने ने पहले मैच प्वाइंट पर शानदार ऐस लगाकर बचाव किया, जबकि दूसरे पर ज्वेरेव ने डबल फॉल्ट कर दिया और स्कोर 6-6 हो गया। हालांकि, 29 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी ने इसके बाद लगातार दो अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। उन्होंने दो घंटे नौ मिनट में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। इस बीच 19

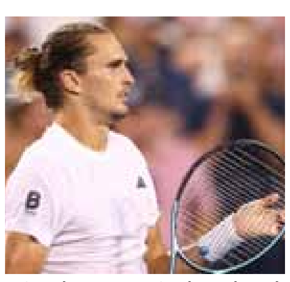

वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी राफेल जोदार ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अलेजांद्रो टेबिलो को 6-2, 6-1 से हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। जोदार ने महज 75 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। वह इस दशक में सिनसिनाटी में राउंड ऑफ 16 में पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन के बाद तीसरे किशोर खिलाड़ी बन गए हैं। अब जोदार का सामना विश्व नंबर-10 फ्लाविया कोबोली से होगा। कोबोली ने कड़े मुकाबले में अलेक्जेंडर ब्लॉक्स को 7-5, 4-6, 7-5 से हराया। निर्णायक सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद इटली के 24 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार चार गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। अन्य मुकाबले में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने नौवीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को 6-1, 6-7(7), 6-3 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। दूसरे सेट के टाईब्रेक में फिल्स के पास 7-6 पर मैच प्वाइंट था, लेकिन लेहेका ने उसे बचाकर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।

विश्व कप हिस्सेदारी बेचने की योजना की आलोचना के बाद फीफा ने सीओओ लामूर को हटाया

एजेंसी, नई दिल्ली । विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने अपने मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) केविन लामूर से नाता तोड़ लिया है। यह घटनाक्रम फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो की विश्व कप में हिस्सेदारी निवेशकों को बेचने की योजना की लामूर द्वारा आलोचना किए जाने के बाद सामने आया है। फीफा के कर्मचारियों को संगठन के महासचिव मटियास ग्राफस्ट्रोम की ओर से ईमेल के जरिए इस फैसले की जानकारी दी गई। ईमेल में कहा गया कि फीफा और लामूर ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। बीबीसी स्पोर्ट्स के अनुसार, फीफा के प्रवक्ता ने कहा, "मुख्य संचालन अधिकारी के रूप में फीफा और केविन लामूर के बीच कार्य संबंध 17 अगस्त 2026 को समाप्त हो गया। फीफा उनकी दो साल की सेवाओं के लिए उनका धन्यवाद करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।" लामूर का जाना ऐसे समय हुआ है जब उन्होंने इन्फेंटिनो की विश्व कप की हिस्सेदारी निवेशकों को बेचने की योजना पर खुलकर सवाल उठाए थे। योजना को बाद में यूईएफए, एएफसी और कॉनकाकाफ समेत कई प्रमुख फुटबॉल संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद इन्फेंटिनो ने छोड़ दिया था। लामूर ने इस योजना को "एक व्यक्ति की परियोजना" करार दिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि इस योजना को लेकर फीफा प्रशासन को "गुमराह" किया गया।

यशस्वी के बदले पंड्या को शामिल कर सकती है रॉयल्स

एजेंसी, मुम्बई

बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रॉयल्स की जगह पर किसी और टीम से खेलते दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि रॉयल्स यशस्वी को आईपीएल 2027 से पहले रिलीज कर सकता है। ये भी अटकलें हैं कि वह मुंबई इंडियंस के साथ ट्रेड कर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को शामिल कर सकता है। ऐसे में यशस्वी मुम्बई के पास चले जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसर राजस्थान प्रबंधन और यशस्वी के बीच मतभेद है। इसका सबसे बड़ा कारण रियान

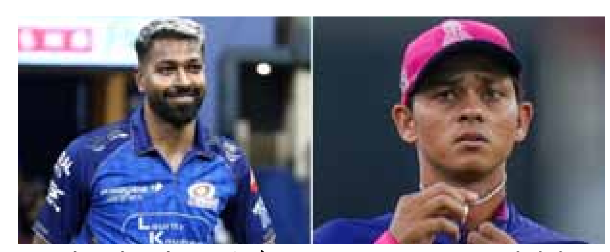

पराग को उनसे पहले कप्तानी सौंपना है। हालांकि, इस पूरे मामले पर रॉयल्स और यशस्वी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 में यशस्वी ने 16 मैचों में 427 रन बनाए थे, जिसमें उनका औसत 30.50 और स्ट्राइक रेट 152.50 रहा। इस सत्र में वे केवल तीन अर्धशतक ही लगा सके। दूसरी ओर उनके सलामी जोड़ीदार वैभव सूर्यवंशी ने 16 मैचों में 237.30 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। जिससे यशस्वी के प्रदर्शन पर किसी का ध्यान नहीं गया। का प्रदर्शन थोड़ा फीका पड़ गया।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज

1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शाम फोम ने आईपीओ निवेशकों को दिया करारा झटका, डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

पॉलीयूरेथेन फोम (पीयू फोम) का उत्पादन और विपणन करने वाली कंपनी शाम फोम के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने जोरदार गिरावट के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 130 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 104 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 109 रुपये के स्तर तक पहुंचे। इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर लुढ़क कर 98.80 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 31.20 रुपये यानी 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। शाम फोम का 40.48 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 13 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.40 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.17 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.62 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 31.14 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी

मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में मशीनरी और इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने, सिविल कंस्ट्रक्शन करने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। शाम फोम की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.97 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 8.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 73.89 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 81.62 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 92.39 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में लगातार कमी आई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 10.11 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 9.22 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ और कम होकर 3.99 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 8.88 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 12.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 21.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में इस मोर्चे पर उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 8.70 करोड़ रुपये के स्तर पर था। वहीं 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस जबरदस्त गिरावट के साथ 4.25 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस उछल कर 12.7424.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 4.43 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 4.69 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए उछल कर 11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में मिल्की मिस्ट की मजबूत शुरुआत, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

डेयरी प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग कंपनी मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 17.86 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 165 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 181.50 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 41.50 रुपये यानी 29.64 प्रतिशत का फायदा हो

गया। इस कंपनी का 1,553 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 13 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 59.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 164.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 36.75 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 8.86 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 13.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 11,09,43,193 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 1,428 करोड़ रुपये के 10,20,14,623 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 125 करोड़ रुपये के 89,28,570 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पेरुंदुरई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का विस्तार करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज सुस्ती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशिया में भी आज आमतौर पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव तथा महंगाई की चिंता की वजह से अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी का रुख बना हुआ है। इसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,745.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.32 प्रतिशत टूट कर 26,644.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.09 प्रतिशत लुढ़क कर 53,410.11 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,720.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,579.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में बिकवाली की गिरफ्त में

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज कारोबार की शुरुआत दबाव के साथ हुई। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी (दोनों सूचकांक) की चाल में थोड़ी तेजी आई। कुछ देर बाद दोनों बिकवाली की गिरफ्त में आ गए। पहले एक घंटे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.45 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की कमजोरी पर रहे। बीएसई का सेंसेक्स 309.19 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,418.97 अंक के स्तर पर खुला। कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। इससे यह सूचकांक उछल कर 77,575.21

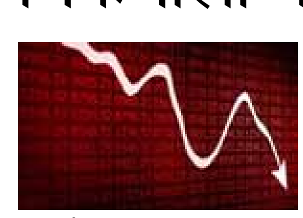

अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इस पर वह टिक नहीं सका। कुछ अंतराल बाद बिकवाली का ऐसा दबाव बना कि यह सूचकांक गिरता चला गया। खरीद-बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 346.56 अंक की कमजोरी के साथ 77,381.60 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। एनएसई के निफ्टी ने भी 63.80 अंक यानी 0.26 प्रतिशत टूट कर 24,223.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। कुछ देर बाद ही लिवाली के सपोर्ट से यह सूचकांक 24,269.65 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बिकवाली शुरू हो गई और इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। सुबह 10:15 बजे निफ्टी 77.15 अंक यानी 0.32 प्रतिशत टूट कर 24,210.50 अंक के स्तर पर आ गया। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,821 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,303 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान पर जबकि 1,518 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान पर आ गए। सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान पर दिखे।

‘मालामाल वीकली 2’ के लिए बनी बड़ी जोड़ी

परेश रावल की चर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइजी ‘मालामाल वीकली’ की अगली कड़ी ‘मालामाल वीकली 2’ को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म में नए कलाकारों के जुड़ने के बाद अब इसके निर्माण को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खबरों के मुताबिक, फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने के लिए निर्माता सुभाष काले और एस. चंद्रप्रकाश जैन साथ आए हैं। फिल्म का निर्देशन अमित जोशी करेंगे और टीम इसे एक बड़े थिएट्रिकल कॉमेडी एंटरटेनर के तौर पर पेश करने की तैयारी में है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं ने फिल्म के लिए मजबूत प्रोडक्शन और वित्तीय सपोर्ट को ध्यान में रखते हुए यह साझेदारी की है। सुभाष काले के पास ‘पद्मावत’ और ‘स्त्री’ जैसी फिल्मों में तकनीकी और प्रोडक्शन से जुड़े काम का अनुभव है, जबकि एस. चंद्रप्रकाश जैन लंबे समय से व्यापार और वितरण क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों की विशेषज्ञता को मिलाकर फिल्म के प्रोडक्शन, वीएफएक्स, पोस्ट-प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन को बड़े स्तर पर तैयार किया जाएगा। ‘मालामाल वीकली 2’ में परेश रावल के साथ रितेश देशमुख, राजपाल यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर और एल्विश यादव जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग नवंबर 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। निर्माताओं का लक्ष्य इसे बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज करना है। परेश रावल की लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजी में नए कलाकारों की एंट्री और बड़े प्रोडक्शन स्केल के साथ यह देखना दिलचस्प होगा कि ‘मालामाल वीकली 2’ दर्शकों को कितना गुदगुदा पाती है।

बरुन सोबती के नए प्रोजेक्ट ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ की घोषणा

अभिनेता बरुन सोबती की आगामी फिल्म ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। हाल ही में वेब सीरीज ‘ऑपरेशन सफेद सागर’ में नजर आए बरुन अब इस खोजी-ड्रामा के जरिए दर्शकों के बीच लौटने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने फिल्म की वैश्विक रिलीज की घोषणा के साथ इसका पहला पोस्टर भी जारी कर दिया है। फिल्म में बरुन सोबती के साथ निमिषा सजयन और अंशुमान पुष्कर अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अंबिएका पंडित के निर्देशन और अमिता व्यास के लेखन में बनी ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ का निर्माण सौरभ मल्होत्रा, मनुज मित्रा और टीना थारवानी ने फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। फिल्म की कहानी बबीता सिंह उर्फ ‘बेबी’ नाम की एक महिला पुलिसकर्मी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे उसके विभाग और समाज में लगातार कमतर आंका जाता है। हालांकि, एक हत्या की जांच के दौरान उसके निलंबन के बाद कहानी में बड़ा मोड़ आता है। फिल्म में हत्या की गुत्थी के साथ बबीता की निजी जिंदगी और पारिवारिक संघर्षों को भी कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है। ‘बबीता सिंह रिपोर्टिंग’ का प्रीमियर 28 अगस्त 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा और इसे दुनियाभर के दर्शक देख सकेंगे। खोजी कहानी, महिला पुलिस अधिकारी के संघर्ष और सामाजिक दबाव के बीच फिल्म किस तरह अपनी कहानी आगे बढ़ाती है, यह इसकी रिलीज के बाद देखने वाली बात होगी।

‘बंटवारा 1947’ की बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार धीमी

सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘बंटवारा 1947’ सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नजर नहीं आ रहा है। सनी देओल की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और राजकुमार संतोषी के निर्देशन के बावजूद फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम होती दिख रही है। खास बात यह है कि साल की शुरुआत में रिलीज हुई सनी की ‘बॉर्डर 2’ ने पहले दिन ही 32 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि ‘बंटवारा 1947’ का पूरा वीकेंड कलेक्शन भी उस आंकड़े के करीब नहीं पहुंच पाया। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन 5.75 करोड़ रुपये की कमाई के साथ बेहद धीमी शुरुआत की थी। हालांकि, दूसरे दिन कलेक्शन में उछाल आया और फिल्म ने 13.50 करोड़ रुपये जुटाए, जिससे निर्माताओं को कुछ राहत मिली। लेकिन रविवार को तीसरे दिन इसकी कमाई फिर गिरकर करीब 7.25 करोड़ रुपये रह गई। इस तरह फिल्म का तीन दिनों का घरेलू नेट कलेक्शन 26.50 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि वर्ल्डवाइड कमाई करीब 37.11 करोड़ रुपये बताई जा रही है। करीब 120 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म के लिए शुरुआती आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। सनी देओल की सोलो फिल्मों के लिहाज से भी ‘बंटवारा 1947’ की शुरुआत कमजोर रही है। 2018 में आई ‘भैयाजी सुपरहिट’ ने करीब 1 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी, जिसके बाद ‘बंटवारा 1947’ उनकी हालिया सोलो फिल्मों में सबसे कमजोर ओपनिंग वाली फिल्मों में शामिल हो गई है। फिल्म का निर्देशन सनी के साथ ‘घायल’, ‘दामिनी’ और ‘घातक’ जैसी सफल फिल्मों में काम कर चुके राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म में प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, अली फजल, करण देओल और अभिमन्यु सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं।

‘भोजपुरी बवाल’: काजल राघवानी ने खेसारी पर लगाए संगीन आरोप, आम्रपाली ने पवन सिंह को दिया शादी का ऑफर ?

ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर प्रसारित हो रहे शो ‘भोजपुरी बवाल’ में हर दिन नया ड्रामा और कई सनसनीखेज खुलासे देखने को मिल रहे हैं। इस शो में दिनेश लाल यादव ‘निरहुआ’, पवन सिंह, आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी और राजनीतिक गलियारों के चर्चित चेहरे तेजप्रताप यादव एक साथ नजर आ रहे हैं। हालिया एपिसोड में एक तरफ जहां व्यक्तिगत रिश्तों के दर्दनाक सच सामने आए, वहीं दूसरी ओर सितारों के बीच हल्की-फुल्की हंसी-मजाक और सियासी केमिस्ट्री भी देखने को मिली। शो के दौरान अभिनेत्री काजल राघवानी ने भोजपुरी अभिनेता खेसारी लाल यादव के साथ अपने पुराने और विवादित रिश्ते पर दर्द छलकाया।

काजल ने बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उस रिश्ते में उन्होंने काफी मानसिक तनाव झेला। काजल ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि एक समय ऐसा भी आया था जब उन्होंने अपनी जीवनलीला समाप्त करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें सांत्वना देने के बजाय यह कहकर टाल दिया गया कि यह सिर्फ एक ढोंग है। काजल के मुताबिक, उन्हें यह कहकर इस रिश्ते में बांधकर रखा गया कि खेसारी का अपनी पत्नी से कोई भावनात्मक संबंध नहीं बचा है। करीब पांच साल तक चले इस रिश्ते के दौरान उन्हें खेसारी के प्रशंसकों के आक्रोश और इवेंट्स में पत्थरबाजी तक का सामना करना पड़ा। काजल ने यह भी दावा किया कि उनके मोबाइल में अन्य महिलाओं की आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो मौजूद रहते थे, जिन्हें वे सिर्फ अपना मनोरंजन बताते थे। दूसरी तरफ, शो में आम्रपाली दुबे और पवन सिंह के बीच बेहद मजेदार और आत्मीय बातचीत देखने को मिली। बातचीत के दौरान आम्रपाली ने मजाकिया अंदाज में पवन सिंह से कहा कि अकेले बच्चे को संभालना काफी कठिन होगा, इसलिए क्यों न दोनों शादी कर लें और मिलकर बच्चे की परवरिश करें। हालांकि, यह प्रस्ताव महज एक मजाक था, जिस पर दोनों कलाकार ठहाके लगाकर हंस पड़े। इस चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पवन सिंह ने आम्रपाली के करियर की सराहना की और उन्हें इंडस्ट्री की बड़ी स्टार बताया। इसी दौरान जब आम्रपाली ने पवन सिंह से उनके जीवन के अकेलेपन पर सवाल किया, तो पवन सिंह भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मां उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उनकी मां भी यही चाहती हैं कि पवन सिंह का घर फिर से बस जाए और उनका अकेलापन दूर हो। उन्होंने अपने जीवन के अगले पड़ाव को महादेव की इच्छा पर छोड़ दिया है। एपिसोड का एक अन्य आकर्षण मथुरा में पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव और काजल राघवानी की मुलाकात रही। दोनों ने यमुना नदी में नौकायन का आनंद लिया। इस दौरान तेजप्रताप ने काजल के लिए बांसुरी बजाई और उन्हें इसे बजाना सिखाया भी। राजनीतिक चर्चा के दौरान तेजप्रताप ने काजल को गुजरात में अपनी पार्टी से सदस्य मनोनीत करने और चुनाव प्रचार में सहयोग देने की बात कही। जब काजल ने तेजप्रताप से उनकी शादी और व्यक्तिगत जीवन पर सवाल पूछा, तो उन्होंने बताया कि वे कभी शादी नहीं करना चाहते थे और साधु जीवन की ओर आकर्षित थे, लेकिन परिजनों के दबाव में आकर उन्होंने विवाह किया। पारिवारिक विचारों के न मिलने के कारण उन्होंने तलाक की अर्जी दाखिल की। उन्होंने बताया कि पिछले छह वर्षों से उनका वैवाहिक विवाद अदालत में लंबित है, इसलिए वे अपने पहले प्यार के बारे में अधिक बात नहीं कर सकते। बातचीत के दौरान तेजप्रताप ने काजल राघवानी को भोजपुरी सिनेमा की सबसे खूबसूरत और अपनी पसंदीदा अभिनेत्री बताया, जबकि काजल द्वारा भोजपुरी संगीत में फुहड़पन की शुरुआत का श्रेय पवन सिंह को दिए जाने पर तेजप्रताप ने भी उनकी बात का समर्थन किया।

‘आवारापन 2’ की धमाकेदार शुरुआत

जल्द आएगा तीसरा भाग

इमरान हाशमी की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘आवारापन 2’ सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल जीतने के साथ बॉक्स ऑफिस पर भी मजबूत प्रदर्शन कर रही है। नितिन कक्कड़ के निर्देशन और विशेष भट्ट के निर्माण में बनी इस एक्शन-थ्रिलर ने रिलीज के पहले ही दिन दोहरे अंकों में कमाई के साथ शानदार शुरुआत की। फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पाटनी और शबाना आजमी अहम भूमिकाओं में हैं। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 22 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। दूसरे दिन इसकी कमाई में जबरदस्त उछाल आया और शनिवार को फिल्म ने 33.75 करोड़ रुपये जुटाए। वहीं रविवार को तीसरे दिन ‘आवारापन 2’ ने करीब 26 करोड़ रुपये की कमाई की। इस तरह तीन दिनों में फिल्म का घरेलू नेट कलेक्शन 81.75 करोड़ रुपये पहुंच गया है। हालांकि दूसरे दिन के मुकाबले तीसरे दिन कमाई में मामूली गिरावट देखने को मिली, लेकिन फिल्म की कुल कमाई इसे जल्द ही 100 करोड़ क्लब में पहुंचने की ओर ले जा रही है। फिल्म का प्रदर्शन विदेशी बाजार में भी उत्साहजनक रहा है। तीसरे दिन विदेशों से करीब 4 करोड़ रुपये की कमाई के साथ इसका विदेशी कलेक्शन 12 करोड़ रुपये पहुंच गया है। 2007 में आई इमरान हाशमी की फिल्म ‘आवारापन’ के इस सीक्वल को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म की सफलता को देखते हुए निर्माताओं ने इसकी तीसरी किस्त का भी ऐलान कर दिया है, जिससे शिवम पंडित की कहानी को आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है।

शहनाज गिल और अदा शर्मा का बारिश प्रेम : जलभराव और टपकती छत के बीच भी लिया मानसून का मजा

मौसम-ए-बारिश का अपना एक अलग ही मिजाज होता है। कभी यह ठंडी हवा और हल्की फुहारों के साथ दिल को ताजगी से भर देती है, तो कभी मूसलाधार पानी सड़कों से लेकर घरों तक में मुसीबतें खड़ी कर देता है। आम लोगों की तरह बॉलीवुड और टीवी जगत के सितारे भी इस मौसम के जादू से अछूते नहीं रहे हैं। किसी के लिए बारिश की बूंदों की सरसराहट सुकून का जरिया है, तो कोई घर में पानी टपकने के बावजूद इस मौसम के हर एक पल का मजा उठाने से पीछे नहीं हटता। हाल ही में लोकप्रिय अभिनेत्री शहनाज गिल और ‘द केरल स्टोरी’ फेम अदा शर्मा ने मानसून से जुड़े अपने दिलचस्प किस्से साझा किए।

शहनाज गिल निसंकोच खुद को ‘बारिश पगलू’ कहती हैं और उनका यह बारिश-प्रेम अक्सर सोशल मीडिया पर भी झलकता रहता है। इस मौसम के प्रति अपनी दीवानगी का जिक्र करते हुए शहनाज बताती हैं कि उन्हें सोते समय बारिश की बूंदों की आवाज सुनना बेहद भाता है। उन्होंने अपने कमरे की खिड़की पर एक खास छज्जा (ऑवनिंग) लगवाया हुआ है। जब भी रात में बारिश होती है, तो वे खिड़की को थोड़ा-सा खुला छोड़ देती हैं ताकि ऑवनिंग पर टपकती बूंदों की गूंज उनके कानों तक पहुंचती रहे। शहनाज हंसते हुए कहती हैं कि इस सुरीली आवाज को सुनने का अहसास दुनिया के किसी भी आराम से बढ़कर है। मुंबई की बारिश का एक थ्रिलर किस्सा सुनाते हुए उन्होंने बताया कि एक बार वे दोस्तों के संग वक्त बिताकर वापस आ रही थीं, तभी अचानक आसमान से पानी आफत बनकर बरसने लगा। चंद मिनटों में ही पूरी सड़क पर घुटनों से ऊपर तक जलभराव हो गया। उस समय वे गाड़ी में मौजूद थीं और उन्हें डर सताने लगा कि वे बीच रास्ते में ही फंस जाएंगी। हालांकि, उनके ड्राइवर ने कमाल की सूझबूझ दिखाई और तंग गलियों के छोटे-छोटे रास्तों से गाड़ी निकालते हुए उन्हें सुरक्षित घर पहुंचा दिया। शहनाज आज भी अपने ड्राइवर की उस होशियारी की मिसाल देती हैं। दूसरी तरफ, बांद्रा के कार्टर रोड पर समंदर किनारे रहने वाली अदा शर्मा भी खुद को जन्मजात ‘रेन लवर’ मानती हैं। अदा का मानना है कि मौसम चाहे जैसा भी हो, वे हर रूप का स्वागत करती हैं। यही वजह है कि मुंबई की मूसलाधार बारिश भी उनका मिजाज खराब नहीं कर पाती। हाल ही में जब शहर में भारी बारिश के चलते रेड अलर्ट घोषित हुआ, तो समंदर की लहरों के साथ पानी उनके घर के अंदर तक पहुंचने लगा और हद तो तब हो गई जब छत से भी पानी टपकने लगा।

आमतौर पर ऐसी स्थिति में लोग परेशान हो जाते हैं, लेकिन अदा और उनके परिवार ने इसे भी एक अनोखे जश्न में बदल दिया। घर के सभी लोग बाल्टी, मग और कटोरे लेकर टपकते पानी को इकट्ठा करने में जुट गए और इस काम को भी एक मजेदार खेल की तरह एंजॉय किया। अदा बताती हैं कि उन्हें बचपन से ही बारिश और प्रकृति से गहरा लगाव रहा है। बचपन में वे बारिश के दिनों में मेंढक और केंचुओं से खेलने में भी नहीं हिचकिचाती थीं। उनका कहना है कि उम्र भले ही बढ़ गई हो, लेकिन बारिश में भीगने का उनका बच्चों जैसा उत्साह आज भी वैसा ही है।

‘इश्क में मरजावां’ फेम अलिषा पंवर बनीं धोखाधड़ी का शिकार

चीफ गेस्ट के नाम पर इस्तेमाल की फेस वैल्यू ; फैंस से मांगी माफी

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री अलिषा पंवर एक बड़े ऑनलाइन फ्रॉड और स्कैम का शिकार हो गई हैं। राजस्थान के भरतपुर में आयोजित एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट में बतौर मुख्य अतिथि (चीफ गेस्ट) आमंत्रित करने के बहाने आयोजकों ने न केवल उनकी फेस वैल्यू का दुरुपयोग किया, बल्कि टिकटों की बिक्री बढ़ाने के लिए उनके नाम पर प्रचार भी करवा लिया। इस घटना के बाद अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर पूरी आपबीती साझा की है और साथी कलाकारों को सतर्क रहने की सलाह दी है। अलिषा पंवर ने अपने वीडियो संदेश में बताया कि कुछ समय पहले आयोजकों ने उनसे राजस्थान के भरतपुर में 16 अगस्त को होने वाले ‘मिस्टर, मिस, मिसेज एंड किड्स स्टार ऑफ राजस्थान 2026’ इवेंट के लिए संपर्क किया था। शुरुआत में सब कुछ पेशेवर नजर आ रहा था। आयोजकों ने उनसे इवेंट के प्रचार के लिए एक प्रमोशनल वीडियो बनाने को कहा और तयशुदा राशि का लगभग 5 से 10 प्रतिशत हिस्सा अग्रिम भुगतान (एडवांस) के रूप में दे दिया। हालांकि, इसके बाद आयोजकों ने अलिषा को यह कहकर गुमराह किया कि कार्यक्रम किसी कारणवश स्थगित (पोस्टपोन) कर दिया गया है। बाद में अलिषा को जानकारी मिली कि इवेंट रद्द नहीं हुआ था, बल्कि तय तारीख पर ही आयोजित किया गया था। आयोजकों ने केवल उनका वीडियो इस्तेमाल कर शो को प्रमोट करने और टिकट बेचने के लिए उनसे झूठ बोला था। अभिनेत्री ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी फेस वैल्यू का गलत इस्तेमाल किया गया है। यह सीधे तौर पर एक फ्रॉड है, जिसमें उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में बुलाने का झांसा देकर सिर्फ प्रमोशन कराया गया। उन्होंने आशंका जताई कि ऐसे स्कैमर्स पहले भी कई अन्य कलाकारों के साथ इस तरह का छल कर चुके होंगे। इवेंट में अलिषा का इंतजार कर रहे उनके प्रशंसकों को जब निराशा हाथ लगी, तो अभिनेत्री ने खुद सामने आकर उनसे माफी मांगी। उन्होंने कहा कि वे खुद इस पूरी साजिश का शिकार हो गईं, इसलिए उन्हें बेहद दुख है। साथ ही उन्होंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के अपने सह-कलाकारों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे धोखेबाज़ आयोजकों से दूरी बनाकर रखें और किसी भी प्रोजेक्ट से जुड़ने से पहले पूरी पड़ताल कर लें। अलिषा पंवर ने साल 2015 में धारावाहिक ‘बेगुसराय’ से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वे ‘जमाई राजा’, ‘थपकी प्यार की’, ‘लाल इश्क’, ‘मेरी गुड़िया’, ‘कुमकुम भाग्य’ और ‘सावधान इंडिया’ जैसे लोकप्रिय टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं। धारावाहिक ‘इश्क में मरजावां’ में उनके दोहरे किरदार को दर्शकों ने काफी सराहा था। उन्हें आखिरी बार साल 2025 में आए शो ‘हम दीवाना दिल’ में ‘तारा’ की मुख्य भूमिका में देखा गया था।

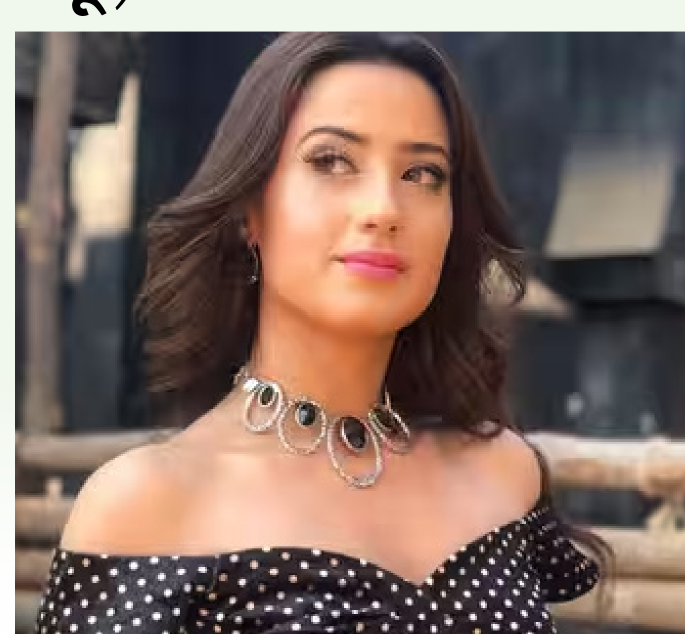

BRIFF NEWS

Assam Sends Proposal To Centre To Reduce Kaziranga Eco-Sensitive Zone; Opposition Objects

State Proposes Reducing Default 10-Km Zone To 1-3 Km

Guwahati, Agency: The Assam government has sent a proposal to the Centre to reduce the default 10-km eco-sensitive zone around Kaziranga National Park to 1-3 km. The state government has clarified that the proposal is fully in accordance with the Supreme Court's directions.

The government said the move would not change the original boundaries of the UNESCO World Heritage Site and the park famous for one-horned rhinoceroses. Chief Minister Himanta Biswa Sarma, while giving information on social media platform X, clarified that the boundaries of the national park would remain completely unchanged.

He said the government's move falls within the scope of the Supreme Court's directions, which allow notification of an eco-sensitive zone extending from one to three kilometres. The Chief Minister stressed that the distance is measured from the outer boundary of the park, not from its core area.

Decision Taken Keeping Livelihood And Development In Mind.

According to the state government, the large 10-km radius had imposed severe restrictions on local and indigenous communities for basic needs such as constructing houses.

AMU Research: Snow Cover In Uttarakhand Declined Over 30 Years, Concrete Jungle Expanded

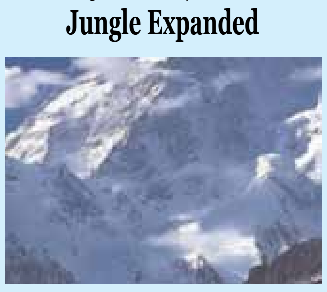

Dehradun, Agency: While the mountains of Uttarakhand have been losing their snow cover over the past three decades, cities and construction have continued to consume land.

Between 1992 and 2022, the snow-covered area in the state declined by 1,640.82 square kilometres, while during the same period the built-up area increased nearly 13 times to 526.35 square kilometres. This means that the concrete footprint has rapidly expanded over land once dominated by natural cover.

The picture has emerged from a study by researchers at Aligarh Muslim University. The research team studied data for 1992, 2002, 2012 and 2022 based on satellite imagery, climate data and geographic information system analysis. The study covered 53,483 square kilometres of Uttarakhand.

Snow Cover Shrunk By 1,640 Sq Km In 30 Years

According to the study, around 14,951.98 square kilometres of Uttarakhand was covered by snow in 1992. By 2012, this had declined to 8,864.64 square kilometres, while the snow-covered area was recorded at 13,311.16 square kilometres in 2022.

This means that compared to 1992, around 1,640.82 square kilometres of area still has less snow cover.

According to researchers, the increasing rate of snowmelt in high-altitude areas may affect the water cycle. This could directly affect river flows and water availability in lower areas.

"I Apologise..." Tamil Nadu Minister Took Karunanidhi's Name Without Honorific, CM Vijay Says Sorry

Opposition DMK Objects To Minister's Reference To Former Chief Minister

Chennai, Agency: Tamil Nadu Chief Minister C Joseph Vijay immediately apologised on Monday after a minister directly referred to former Chief Minister M Karunanidhi by his name without a respectful form of address in the Tamil Nadu Assembly.

State Forest Minister R V Ranjith Kumar did not use the word "Kalaignar" (scholar) while referring to the veteran DMK leader, although there is a tradition in the Assembly of addressing him by this respectful title. Opposition party DMK immediately objected to the minister's remark.

To calm the Opposition's protest over the breach of decorum, the Chief Minister intervened. He acknowledged that referring to the late leader in this manner was wrong and clearly apologised on behalf of his minister. Calming the tension in the Assembly, Vijay said, "I apologise on his behalf."

What Is The Matter?

The protest began when Ranjith Kumar criticised old strategies of distributing money in exchange for votes during a debate on demands for grants for the Health and Revenue departments. Referring to the controversial Tiruman galam formula, he claimed that up to Rs 1,500 per vote had been distributed in his Kancheepuram constituency during previous elections.

Comparing previous elections with the present administration, the Forest Minister said the current government had come to power without distributing money for votes. However, while referring to electoral strategies, he called senior DMK leader M Karunanidhi simply "Karunanidhi" and did not use respectful terms such as Kalaignar or former Chief Minister.

DMK Protests

The direct reference to his name violated an old tradition in the Tamil Nadu Assembly under which respected leaders are traditionally addressed with formal titles or honorific terms. Members of the Opposition DMK immediately and strongly protested the breach of etiquette.

To defuse the growing tension, Vijay intervened before the debate could be derailed. The Chief Minister stopped the Forest Minister in the middle of his speech and acknowledged that referring to the late leader in that manner was inappropriate.

Jharkhand Mahotsav-02 Showcases State's Rich Folk Culture in Delhi

New Delhi: Jharkhand's rich folk culture, traditional art, music, dance and heritage took centre stage at Jharkhand Mahotsav-02, organised at the LTG Auditorium in Mandi House, New Delhi, on Tuesday. The event aimed to provide the state's cultural traditions with a wider national platform. Hazaribagh Lok Sabha MP Manish Jaiswal attended the festival and praised the organisers for showcasing Jharkhand's cultural identity in the national capital. He said such programmes play an important role in taking the state's cultural heritage to people across the country while connecting younger generations with its folk traditions. The festival featured colourful performances of various traditional folk dances, music and art forms of Jharkhand. Artists presented the state's traditions and social life through vibrant cultural performances, receiving an enthusiastic response from the audience.

Jaiswal said Jharkhand's culture is an important part of India's diverse cultural heritage. He congratulated the organisers for creating a platform that highlights the state's artistic traditions and promotes their wider recognition.

The MP said the festival was organised jointly by Jharkhand Association Delhi and Omega Group. He said the initiative seeks to strengthen the identity of Jharkhand's folk culture at the national level and help people from the state living in Delhi remain connected with their roots and traditions.

The event also witnessed considerable enthusiasm among visitors, with the cultural presentations offering a glimpse into Jharkhand's distinctive traditions and artistic heritage.

34-Year-Old Man And His 4-Year-Old Son Found Dead In Bengaluru, Mother-In-Law Alleges Murder

Police Register Case On Mother's Complaint; Allegations Against Wife Yet To Be Confirmed

Bengaluru, Agency: A 34-year-old man and his four-year-old son were found dead inside their residence in the Chikkabanavara area of north Bengaluru on Monday. Police have registered a murder case based on a complaint filed by the man's mother.

The incident came to light at a house on 9th Cross in Gutt Basaveshwar Nagar, where a man named Abhinandan lived with his wife Harini and their four-year-old son. According to the FIR registered at Chikkabanavara police station, both are suspected to have died between 10 pm on August 16 and 6 am on August 17.

What Did Abhinandan's Mother Tell Police?

Complainant Bhagyamma, Abhinandan's mother, told police that she received a call from a relative at around 6:30 am informing her that her son and grandson had been found dead at home.

She reached the house at around 9:15 am and allegedly found Abhinandan with injuries on his face and limbs and bleeding from the head. The four-year-old child was found dead nearby.

Mother-In-Law Suspects Daughter-In-Law

The complaint alleges that the child was strangled to death. Bhagyamma alleged that her son and grandson may have been killed because of her daughter-in-law Harini's alleged extramarital affair.

The complaint also stated that Harini had allegedly left with a man named Vinay around a year ago and returned nearly two months later, after which she started living with Abhinandan.

Police have registered an FIR against Harini and others under Sections 238 and 103(1) of the Bharatiya Nyaya Sanhita. The allegations made in the complaint have not yet been confirmed. Police are investigating the circumstances surrounding the deaths.

Mission 2027 Preparations: Rahul Gandhi To Meet Punjab Congress Veterans Strategy To Rein In Factionalism

Senior Leaders Likely To Discuss Assembly Poll Preparations And Organisational Differences

Chandigarh, Agency: Amid long-running factionalism in the Punjab Congress, the party high command is now preparing to bring senior leaders together to discuss electoral strategy. A key meeting of Rahul Gandhi with prominent Punjab Congress leaders is likely to be held in Delhi on August 19 and 20.

The meeting may discuss preparations for the 2027 Punjab Assembly elections as well as differences within the state organisation. The proposed Congress Working Committee (CWC) meeting on August 19 is expected to discuss strategies for upcoming elections in various states.

During this period, a separate meeting of Punjab leaders with Rahul Gandhi is likely. It may include Punjab Congress president Amarinder Singh Raja Warring, Leader of Opposition in the Assembly Partap Singh Bajwa, MP Sukhjinder Singh Randhawa, former Chief Minister Charanjit Singh Channi and Election Campaign Committee chairman Vijay Inder Singla, among other senior leaders.

Major Faces To Appear Together Before Rahul Gandhi.This will be the first time that prominent faces from different factions of the Punjab Congress will appear together before Rahul Gandhi. The high command is therefore expected to clarify its position on leadership in the state organisation, election committees and ticket distribution.

Strict Action On Drugs And Luxury Vehicles In Delhi University Students' Union Polls

New Delhi, Agency: Ignoring rules during the Delhi University Students' Union (DUSU) elections could now prove costly for candidates. The university administration has warned that the nominations of candidates violating rules during election activities may be cancelled.Not only this, in case of serious violations, action may even be taken to cancel the entire election. On Monday, a meeting was held at the Proctor's Office involving the university proctor, chief election officer.

Bangladeshi Woman Illegally Returns After One Month, Arrested By Police

Deported To Bangladesh Last Month; Police Probe How She Re-Entered India

Mumbai, Agency: Mumbai Police have arrested a 27-year-old Bangladeshi woman for allegedly re-entering India illegally and staying in the city without valid travel documents.

The arrest took place just one month after she had been deported to her country. An official gave this information on Monday.

According to a Gamdevi police official, the accused has been identified as Nadira Sultana. She was arrested for allegedly entering India through an illegal route and staying without the required documents. Police are now investigating how she re-entered India and whether anyone helped her in the process.

The incident came to light on Saturday when police received information about a suspected Bangladeshi woman moving around in a pavement area near Girgaum Chowpatty.

During preliminary questioning by police, she could not provide clear information about her identity and address. As her behaviour appeared suspicious, she was taken to the police station for further questioning.

During the investigation, police found that she did not have valid documents to stay in India. Police said the investigation revealed that Sultana had been deported from India to Bangladesh only last month.

After deportation, she again returned to India through an illegal route and eventually reached Mumbai. A case has been registered in the matter.

40-Lane Road Built Between Delhi And Meerut, Gadkari's Big Claim Sparks Social Media Buzz

Union Minister Says Infrastructure Should Be Planned For Next 25 To 50 Years

Pune, Agency: Union Road Transport and Highways Minister Nitin Gadkari claimed on Monday that he had recently built a 40-lane road between Delhi and Meerut.

He said seeing modern and wide highways in other countries inspired him to build roads on a large scale in India as well. Gadkari made the statement at the Festival of Thinkers programme at Symbiosis International University in Pune.

Recalling his old experience, Gadkari said the Mumbai-Pune Expressway was built 27 years ago during his tenure and even today it does not have potholes.

In a light-hearted manner, he said the good condition of the expressway is not discussed on social media, but he was trolled on social media after a section of the missing link of the Mumbai-Pune Expressway collapsed.

He clarified that the project belonged to the state government. He said, "It seems social media is good for quality control." Gadkari said that at that time the Forest Department had not given permission for construction of the missing link.

In May, Chief Minister Devendra Fadnavis inaugurated the 13.3-km missing link of the Mumbai-Pune Expressway. Its objective was to bypass the difficult hilly section and make travel easier and safer. After heavy rains in July, a landslide occurred near Tunnel-2 at its entry point.

Detect Road Defects Before They Become Major Problems Through Technology

Gadkari also stressed the use of modern technology in monitoring roads and infrastructure. He said roads should be monitored through drones, artificial intelligence, LiDAR and satellite technology so that minor defects can be detected in time and do not become major problems.

Sharing his experience of constructing the Mumbai-Pune Expressway, Gadkari said that at that time emphasis had been placed on building an eight-lane road keeping future traffic in mind. But after seeing highways abroad, he felt that the plan should have been made on a much larger scale. He said, "When I saw roads in other countries, I felt that we should have planned at least a 40-lane road. Recently, I built a 40-lane road between Delhi and Meerut." Gadkari said infrastructure should be planned not merely according to current requirements but keeping the next 25 to 50 years in mind. According to him, strong infrastructure is the foundation of economic growth and helps increase employment and reduce poverty. He also stressed the strong relationship between infrastructure, technology, research, innovation and economic growth.